राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 07 मई 2025 वर्ष-8,अंक-77 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आज सायरन बजेगा फिर अँधेरा फैलेगा, देशभर में होगा मॉक ड्रिल

मुंबई,।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले में 26 लोग मारे गए तब से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया है। पिछले कुछ दिनों के घटनाक्रम और उच्चस्तरीय बैठकों को देखते हुए ऐसी संभावना है कि भारत किसी भी समय पाकिस्तान पर हमला कर सकता है। भारत की कार्रवाई के बाद पाकिस्तान की ओर से भी प्रतिक्रिया आ सकती है। इस संभावना को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों को आज बुधवार को देशभर में मॉक ड्रिल करने के निर्देश दिए हैं। आज 7 मई को देशभर के 244 जिलों में मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाएगा। इसे 3 श्रेणियों में बांटा गया है।

मॉक ड्रिल

देश के कई राज्यो में मॉक ड्रिल आयोजित की जाएगी। आपातकालीन स्थिति में नागरिकों को क्या करना चाहिए, इसका प्रशिक्षण मॉक ड्रिल के माध्यम से दिया जाएगा। मॉक ड्रिल में युद्ध जैसी स्थिति में हवाई हमले की स्थिति में सुरक्षा उपायों और सावधानियों के बारे में जानकारी दी जाती है। मॉक ड्रिल के लिए चयनित स्थानों को तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया है। पहली श्रेणी में देश भर के 13 शहर शामिल हैं। मुंबई, उरण, तारापुर को प्रथम श्रेणी में शामिल किया गया है। दूसरी श्रेणी में देश भर के 21 स्थान शामिल हैं। इनमें ठाणे, पुणे, नासिक, रोहा-धताव-नागोठाणे, मनमाड, सिन्नर, थल-वायशेत, पिंपरी-चिंचवड़ शामिल हैं। तीसरी श्रेणी में औरंगाबाद, भुसावल, रायगढ़, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग को शामिल किया गया है।

- 1971 में भी राज्य में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया था

वर्ष 1971 में जब पाकिस्तान के साथ युद्ध के बादल मंडरा रहे थे, तब राज्यों में मॉक ड्रिल आयोजित की गई थी। वरिष्ठ नागरिक अभी भी मुंबई शहर में सायरन बजने और यहां तक कि बिजली गुल होने के अनुभव बताते हैं। 1971 में दुनिया के सात अजूबों में से एक ताजमहल को काले कपड़े से ढक दिया गया था। विभिन्न समाचार पत्रों ने जन जागरूकता बढ़ाने के लिए मॉक ड्रिल और युद्ध के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में खबरें छापी थीं। सेना और जिला प्रशासन ने गांवों में मॉक ड्रिल कर अभ्यास किया था।

नागरिकों को क्या करना चाहिए?

- मॉक ड्रिल के दौरान हवाई हमले की चेतावनी के लिए सायरन बजाया जा सकता है। यह सिर्फ एक अभ्यास है। इसलिए नागरिकों को घबराना नहीं चाहिए। सायरन सुनते समय शांत रहें और प्रशासन द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करें।
- जैसे ही सायरन बजता है, तुरंत खुले क्षेत्र में चले जाएं। किसी सुरक्षित इमारत या बंकर में शरण लें। यदि आप बाहर हैं, तो पास की किसी इमारत में चले जाइये। सायरन बजने के 5 से 10 मिनट के भीतर सुरक्षित स्थान पर पहुंच जाएं। यदि आस-पास कोई बंकर उपलब्ध हो तो वहां जाएं।
- मॉक ड्रिल के दौरान क्रैश ब्लैकआउट का अध्ययन किया जाएगा। उस समय सभी लाइटें बंद कर दी जाएंगी। इससे दुश्मन देश के लिए नागरिक क्षेत्रों को निशाना बनाना मुश्किल हो जाएगा। अपने घर की खिड़कियों, दरवाजों और खिड़कियों को काले कपड़े से ढकें। घर के बाहर रोशनी न जाने दें। सड़क पर गाड़ी चलाते समय लाइटें बंद कर दें। प्रशासन द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करें।
- मॉक ड्रिल के दौरान नागरिकों एवं विद्यार्थियों को नागरिक सुरक्षा का प्रशिक्षण दिया जाएगा। हमले से खुद को बचाने के तरीके सिखाए जाएंगे। प्रशिक्षण में भाग लें और जानें कि आपातकाल में क्या करना चाहिए।
- मॉक ड्रिल में आपातकालीन निकासों का अध्ययन किया जाएगा। यह लोगों को सुरक्षित स्थान पर ले जाएगा। प्रशासन के निर्देशों का पालन करें। सुरक्षित स्थान पर जाते समय शांत रहें। अपने परिवार के साथ निकटतम सुरक्षित स्थान के बारे में पहले ही चर्चा कर लें।
- टी.वी., रेडियो और सरकारी अलर्ट पर ध्यान दें। मॉक ड्रिल के दौरान प्रशासन द्वारा महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए जाते हैं। ऐसी स्थिति में अफवाहों पर विश्वास न करें। केवल आधिकारिक स्रोतों से ही जानकारी प्राप्त करें।
- मॉक ड्रिल के दौरान आपातकालीन किट के उपयोग के बारे में समझाया व समझाया जा सकता है। इसमें पानी, प्राथमिक चिकित्सा, टॉर्च, बैटरी, महत्वपूर्ण दस्तावेजों की प्रतियां, अतिरिक्त कपड़े और कंबल शामिल होने चाहिए। सुनिश्चित करें कि यह किट आसानी से उपलब्ध हो।
- स्थानीय प्रशासन, नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों और पुलिस के साथ सहयोग करें। यदि आप सिविल डिफेंस फोर्स या होमगार्ड से जुड़े हैं, तो अपनी जिम्मेदारी समझें और दूसरों की मदद करें। पड़ोसियों और आस-पास के लोगों के साथ समन्वय बनाए रखें। ताकि सभी सुरक्षित रहें।
- बच्चों को अभ्यास के बारे में जानकारी देते रहें। इसलिए अभ्यास के दौरान वे डरेंगे नहीं। उन्हें सायरन और ब्लैकआउट प्रक्रियाओं के बारे में बताएं। बुजुर्गों और विकलांगों की मदद करें। ताकि वे सुरक्षित स्थान पर पहुंच सकें।
- सोशल मीडिया और अन्य स्रोतों से आने वाली खबरों पर भरोसा न करें। केवल सरकारी समाचार चैनलों और स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करें।

जातीय पक्षपात पर सुप्रीम कोर्ट का कड़ा फैसला

छोटी जाति के जज की बर्खास्तगी से नाराज हुआ सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली।

न्यायपालिका में उपेक्षित समुदाय के जजों को भी उत्पीड़न का शिकार होना पड़ता है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सूर्यकांत की खंड पीठ ने पंजाब के एडिशनल सेशन जज की बर्खास्तगी के मामले में सुनवाई के दौरान कहा, जज को भी जातिगत पक्षपात का शिकार होना पड़ा। ऊंचे समुदाय के लोग उसे बर्दाश्त नहीं कर पा रहे थे। झूठे आरोप में उसे बर्खास्त कर दिया गया। सुप्रीम कोर्ट ने जज की बर्खास्तगी को गलत मानते हुए जज को बहाल करने के आदेश दिए हैं। बरनाला के प्रेम कुमार 26 अप्रैल 2014 को एडिशनल जिला एवं सत्र न्यायाधीश बने। उन्हें अमृतसर जिला कोर्ट में नियुक्त किया गया। इस दौरान दुष्कर्म के आरोप की शिकायत हाईकोर्ट में की गई। जब प्रेम कुमार वकालत करते थे। उसे वक्त उन्होंने दुष्कर्म पीड़ता की ओर से समझौते के लिए संपर्क कर पीड़ता को 1।50 लाख का मुआवजा दिलवाया था। इसकी शिकायत के आधार पर जज प्रेम कुमार की हाई कोर्ट द्वारा जांच कराई गई। उनकी ईमानदारी को संदिग्ध मानते हुए 2022 में पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट की फुल बेंच ने शिकायत के आधार पर प्रेम कुमार को बर्खास्त कर दिया था। यह मामला सुप्रीम कोर्ट में अपील में आया था। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अपने निर्णय उनकी बर्खास्तगी को गलत बताते हुए जज की बहाली करने के आदेश दिए। सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की। ऊंचे समुदाय के लोग उपेक्षित समुदाय के लोगों को बर्दाश्त नहीं कर पाते हैं। देश में जब एक जज के साथ इस तरह का भेदभाव किया जा रहा है। इससे समझा जा सकता है,कि आज भी देश में उपेक्षित वर्ग का किस तरह से उत्पीड़न किया जा रहा है।

पाकिस्तान से तनाव के बीच आज 244 जगह मॉक ड्रिल

सिखाए जाएंगे हमले से बचने के तरीके, टॉर्च-कैश रखने की सलाह

नई दिल्ली।

पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान से तनाव के बीच बुधवार को देश के 244 इलाकों में युद्ध के दौरान बचाव के तरीकों की मॉक ड्रिल होगी। गृह मंत्रालय ने इन इलाकों को सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट के तौर पर लिस्ट किया है। ये सामान्य प्रशासनिक जिलों से अलग हैं। सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट्स को उनकी संवेदनशीलता के आधार पर 3 कैटेगरी में बांटा गया है। कैटगरी-1 सबसे संवेदनशील और कैटेगरी-3 कम सेंसेटिव है। गृह मंत्रालय ने 5 मई को सभी राज्यों को मॉक ड्रिल कराने के आदेश जारी किए थे। दिल्ली में गृह मंत्रालय में हुई हाईलेवल मीटिंग में मॉक ड्रिल की तैयारियों की समीक्षा की गई। इसमें राज्यों के मुख्य सचिव और सिविल डिफेंस चीफ समेत कई हाई रैंक ऑफिसर मौजूद थे।

कांग्रेस ने पीएम मोदी को लिखी चिट्ठी कहा- 50 प्रतिशत की आरक्षण सीमा हटाएं

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार के जातिगत गणना के फैसले से कांग्रेस काफी खुश नजर आ रही है। उसे लग रहा है कि उसकी वर्षों पुरानी मांग पूरी हो गई है। अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने जातिगत जनगणना को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने देशभर में चलने वाली इस कवायद को लेकर सभी राजनीतिक दलों से बातचीत शुरू करने की अपील की है। पीएम मोदी को उन्होंने इस काम के लिए कांग्रेस शासित तेलंगाना में अपनाए गए मॉडल का इस्तेमाल करने का सुझाव भी दिया है। खरगे ने अपने पत्र में कहा है कि राज्यों की ओर से पारित आरक्षण को तमिलनाडु की तर्ज पर संविधान की नौवीं अनुसूची में डाला जाए, आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीमा को खत्म किया जाए और निजी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण की व्यवस्था लागू हो। इसके साथ ही उन्होंने कहा, 'जातिगत जनगणना सिर्फ आंकड़े इकट्ठा करने के लिए नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक विकास के बड़े मकसदों को हासिल करने के लिए होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जनगणना के सवालों को इस तरह तैयार किया जाना चाहिए, जिससे हर जाति के सामाजिक और आर्थिक हालात का सही आकलन हो सके और उनके संवैधानिक अधिकारों को मजबूत किया जा सके। पीएम मोदी को लिखे पत्र में खरगे ने कहा, 'मैंने 16 अप्रैल 2023 को आपको पत्र लिखकर कांग्रेस की तरफ से जातिगत जनगणना कराने की मांग आपके समक्ष रखी थी। अफ़सोस की बात है कि मुझे उस पत्र का कोई जवाब नहीं मिला। दुर्भाग्य से, उसके बाद आपके पार्टी के नेताओं और खुद आपने कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस के नेतृत्व पर इस जायज मांग को उठाने के लिए लगातार हमले किए।' उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री खुद स्वीकार कर रहे हैं कि यह मांग गहन सामाजिक न्याय और सामाजिक सशक्तीकरण के हित में है।' पत्र में कहा गया है, आपने बिना किसी स्पष्ट विवरण के यह घोषणा की है कि अगली जनगणना (जो वास्तव में 2021 में होनी थी) में जाति को भी एक अलग श्रेणी के रूप में शामिल किया जाएगा। खरगे ने कांग्रेस शासित तेलंगाना में हुए जातिगत सर्वेक्षण का हवाला देते हुए कहा, 'जनगणना से सम्बंधित प्रश्नावली का डिजाइन बेहद महत्वपूर्ण है।

देश के सबसे बड़े जज के पास कितनी संपत्ति

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला लेते हुए सुप्रीम कोर्ट के जजों की संपत्ति की जानकारी को ऑफिशियल वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के जजों की नियुक्ति की प्रक्रिया का भी ब्यौरा दिया गया है। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना के पास 2015 मॉडल की स्विफ्ट कार है। जानते हैं इनके पास कुल कितनी संपत्ति है? सुप्रीम कोर्ट ने जुडिशियरी में ट्रांसपेरेंसी के तहत ऐतिहासिक फैसला लिया है। जनता का विश्वास जुडिशियरी पर और बनाए रखने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने न्यायाधीशों की संपत्ति और देनदारियों की जानकारी को अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। भारत में ऐसा पहली बार है कि सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की संपत्ति की घोषणा सार्वजनिक की गई है। हालांकि 33 न्यायाधीशों में से 22 के संपत्ति की जानकारी को देखा जा सकता है। बाकी के सभी जजों ने इसकी जानकारी सुप्रीम कोर्ट को दी है। इनमें भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और बीस अन्य न्यायाधीशों के संपत्ति की जानकारी वेबसाइट पर अपलोड की गई है, जिनमें वे तीन न्यायाधीश भी शामिल हैं जो आने वाले समय में सीजेआई बनने की कतार में हैं। यह फैसला जस्टिस यशवंत वर्मा के आधिकारिक परिसर से नोटों की बरामदगी को लेकर विवाद के बाद आया है। सुप्रीम कोर्ट के वेबसाइट पर दी गई जानकारी के मुताबिक, चीफ जस्टिस संजीव खन्ना के पास साउथ दिल्ली में तीन बेडरूम वाला डीडीए फ्लैट, दिल्ली के कॉमनवेल्थ गेम्स विलेज में दो पार्किंग स्पेस के साथ चार बेडरूम वाला फ्लैट है, जिसका सुपर एरिया 2446 वर्ग फीट है। गुरुग्राम के सेक्टर 49 के सिसपाल विहार में चार बेडरूम वाले फ्लैट में 56 प्रतिशत हिस्सा, जिसका सुपर एरिया 2016 वर्ग फीट है। साथ ही हिमाचल प्रदेश के डलहौजी में जमीन में अविभाजित हिस्से के साथ घर के आंशिक मालिक देव राज खन्ना (एचयूएफ) में हिस्सा है।

आतंकियों का छिपाया विस्फोटक पकड़ा

आरपीजी-आईईडी, वायरलैस सेट, ग्रेनेड मिले

अमृतसर। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पंजाब के शहीद भगत सिंह नगर (नवांशहर) के जंगलों में पुलिस ने 2 आरपीजी, 2 आईईडी, 5 हैंड ग्रेनेड और एक वायरलेस कम्युनिकेशन सेट बरामद किया है। खुफिया इनपुट के बाद अमृतसर की स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल केंद्रीय एजेंसी के साथ तिब्बा नंगल-कुलार रोड के पास बने जंगल में पहुंची थी। सर्च ऑपरेशन में टीम को विस्फोटक सामग्री मिली।पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि शुरुआती जांच में संकेत मिले हैं कि पाकिस्तान की आईएसआई और उससे जुड़े आतंकी संगठनों ने पंजाब में छिपे अपने स्लीपर सेल को दोबारा एक्टिव करने की प्लानिंग बनाई थी। विस्फोटक सामग्री की बरामदगी इसी साजिश का हिस्सा है। आतंकियों ने ये सामग्री भविष्य में आतंकी घटनाओं के लिए छिपाकर रखी थी। इसे लेकर अमृतसर एसएसओसी की टीम ने मामला दर्ज कर लिया है। जल्दी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

राजस्थान में तेज हवाओं से ट्रेन पर रखे कंटेनर गिरे

मप्र में ओले गिरने की चेतावनी, 27 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ।

मौसम विभाग ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश-हरियाणा सहित देश के 27 राज्यों में आंधी-तूफान के साथ तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और उत्तराखंड में ओले गिरने की चेतावनी भी दी गई है। वहीं, हिमाचल में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। सोमवार को मध्य प्रदेश के 16 जिलों में जमकर बारिश और ओलावृष्टि हुई। इसके कारण कई शहरों में पारा 8 डिग्री से 10 डिग्री तक गिर गया है। गुना में तेज आंधी के चलते शादी का टेंट उड़ गया। अशोकनगर में मोबाइल टावर धाराशायी हुआ। उत्तर प्रदेश में सोमवार को आंधी के साथ तेज बारिश का दौर जारी रहा। अलीगढ़ में तेज आंधी के बीच बच्चे को बचाने निकली मां की टीनशेड से कटकर गर्दन कट गई। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई और बच्चा घायल हो गया। इधर, राजस्थान के कई जिलों में रविवार रात से आंधी-तूफान के साथ बारिश जारी है। पाली में आंधी से चलती ट्रेन पर रखे कंटेनर गिरकर हाईटेंशन बिजली के खंभे से टकरा गए। बूंदी जिले में ट्रांसफॉर्मर जेसीबी मशीन पर गिर गया। भीलवाड़ा-पाली में बारिश के साथ ओले गिरे। आज 18 जिलों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है।

रूस से इसी महीने आ जाएगा जंगी जहाज तमल

नई दिल्ली।

पहलगाम हमले के बाद भारत-पाकिस्तान युद्ध की संभावनाओं के बीच भारत की समुद्री ताकत बढ़ने वाली है। रूस में बने एक मॉडर्न स्टील्थ युद्धपोत तमल को भारतीय नौसेना को मई के अंत (28 मई) में सौंपा जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जून में इसे आधिकारिक रूप से नौसेना में शामिल किया जाएगा। यह जंगी जहाज ब्रह्मोस मिसाइल से लैस होगा। जो रडार की पकड़ में भी नहीं आएगा। तमल युद्धपोत 2016 में हुए भारत-रूस रक्षा समझौते का हिस्सा है, जिसके तहत चार तलवार-क्लास स्टील्थ फ्रिगेट बनाए जा रहे हैं। इनमें से दो रूस के यंतर शिपयार्ड में और दो भारत के गोवा शिपयार्ड में बन रहे हैं। तमल रूस में बनने वाला दूसरा फ्रिगेट है। इससे पहले ढ्वहस् तुशिल को दिसंबर 2024 में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रूस के तटीय शहर कलिनिनग्राद में कमीशन किया था।

पाकिस्तान को एक और झटका देने की तैयारी में भारत

नई दिल्ली।

सिंधु जल समझौता स्थगित करने के बाद भारत ने पाकिस्तान को एक और झटका देने की तैयारी की है। खबर है कि भारत वर्ल्ड बैंक और एक्सपर्ट मिशेल लीनो को बैठकों में शामिल नहीं होने के अपने फैसले के बारे में जानकारी देने वाला है।

कहा जा रहा है कि भारत लीनो से आगामी बैठकों को होल्ड या स्थगित करने के लिए कह सकता है। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। भारत ने पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर अप्रैल में पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए उसके साथ राजनयिक संबंधों में व्यापक कटौती, 1960 की सिंधु जल संधि स्थगित करने और अटारी चौकी को बंद किए जाने समेत कई फैसले किए थे। सरकार ने भारतीय उच्चायोगों में तैनात लोगों की कुल संख्या घटाकर 55 से 30 करने, पाकिस्तानी नागरिकों को दक्षेस वीजा छूट योजना (एसवीईएस) के तहत भारत की यात्रा करने की अनुमति नहीं देने समेत कई कदम उठाए थे।

एक अधिकारी ने बताया कि संधि के स्थगित होने के कारण सरकार लीनो के दफ्तर को आगामी बैठकों पर रोक लगाने के लिए कह सकती है। खास बात है कि परमानेंट कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन में लीनो का दफ्तर नवंबर में विएना में बैठक करने जा रहा था।

खास बात है कि पीसीए ही पाकिस्तान की तरफ से किशनगंगा और रतले बांध को लेकर उठाए गए विवाद का निपटारा कर रहा है।

एक जानकार ने बताया, चूंकि संधि स्थगित हो चुकी है, तो संधि के तहत न्यूट्रल एक्सपर्ट विवाद के समाधान में शामिल नहीं होंगे। भारत ने 22 अप्रैल को जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद सिंधु जल समझौता स्थगित करने का ऐलान किया था।

इस बार बाबा बर्फानी की 7 फीट ऊंची शिवलिंग, 3 जुलाई से होगी यात्रा शुरु

लाखों लोगों ने कराया रजिस्ट्रेशन, सुरक्षा व्यवस्था भी काफी कड़ी

श्रीनगर।

अमरनाथ की गुफा से बाबा बर्फानी की पहली तस्वीर सामने आई है। इस बार बर्फ का शिवलिंग करीब 7 फीट ऊंचा बना है। इस शिवलिंग के दर्शन के लिए देशभर से लाखों लोग बाबा के दर्शन करने आते हैं। यात्रा 3 जुलाई से शुरू होगी जो करीब 38 दिन तक चलेगी। 9 अगस्त को छड़ी मुबारक के साथ रक्षाबंधन के दिन यह यात्रा पूरी होगी। यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो चुके हैं। मेडिकल सर्टिफिकेट बनवाने की प्रक्रिया चल रही है। 13 से 70 साल की उम्र तक के भारतीय अमरनाथ यात्रा कर सकते हैं।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले का अमरनाथ यात्रा पर कोई असर नहीं नजर आ है।

अब तक पिछले साल की तुलना में 20 फीसदी ज़्यादा रजिस्ट्रेशन किए गए हैं। 15 अप्रैल से ऑफलाइन और ऑनलाइन मोड के जरिए करीब 3.50 लाख श्रद्धालुओं ने एडवांस रजिस्ट्रेशन कराया है। श्राइन बोर्ड ने ई-केवॉयसी, आरएफआईडी कार्ड, ऑन स्पॉट रजिस्ट्रेशन और दूसरी व्यवस्थाओं को भी बेहतर करने का फैसला लिया गया है, ताकि यात्रा सुरक्षित हो सके। बोर्ड का कहना है इस बार पिछली बार से ज्यादा श्रद्धालु आ यहां आ सकते हैं, इसलिए जम्मू, श्रीनगर, बालटाल, पहलगाम, नुनवान और पंथा चौक पर रुकने और रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था भी की जा रही है।

पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले के बाद अमरनाथ यात्रा से पहले सुरक्षा व्यवस्था काफी कड़ी कर दी गई है। अब टट्टूवाले और स्थानीय सेवादार बेस कैंप में आईडी जांच के साथ रजिस्ट्रेशन करवा रहे हैं। तीर्थयात्रियों की सुरक्षा और यात्रा के सुचारू संचालन के लिए सख्त आईडी वैरिफिकेशन प्रोटोकॉल के साथ किया जा रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रवीन्द्रनाथ टैगोर- रोशनी जिनके साथ चलती थी

(लेखक - ललित गर्ग)

(रवीन्द्रनाथ टैगोर जयन्ती - 7 मई, 2025)

अपने शिल्प के उस्ताद के रूप में, टैगोर ने कविता की शुद्धता को जीने के उद्देश्य के साथ जोड़ा। उन्होंने न केवल अपने जीवन में मृत्यु, अवसाद और निराशा के कारण अनुभव किए गए दुख और पीड़ा को ठीक किया, बल्कि उन्होंने भारतीय समाज के भीतर अन्याय और असमानता के घावों को भरने के लिए भी काम किया। उन्होंने उन्नत कृषि, अच्छे स्कूलों, आरामदायक आर्थिक स्थितियों और बेहतर जीवन स्तर के माध्यम से मानव समुदायों के बाहरी विकास के लिए काम किया, लेकिन साथ ही उन्होंने आत्मा के नवीनीकरण, आत्मा की देखभाल, हृदय को पोषण और कल्पना को पोषित करने के माध्यम से आंतरिक विकास पर जोर दिया।

भारत का राष्ट्र-गान 'जन गण मन' और बाँग्लादेश का राष्ट्रीय गान 'आमार सोनार बांङ्ला' के रचयिता एवं भारतीय साहित्य के नोबेल पुरस्कार विजेता रवीन्द्रनाथ टैगोर की जन्म जयंती हर साल 7 मई को मनाई जाती है। वे एक महान एवं विश्वविख्यात कवि, लेखक, साहित्यकार, दार्शनिक, समाज सुधारक और चित्रकार थे। उन्हें बांग्ला साहित्य के माध्यम से भारतीय सांस्कृतिक चेतना में नयी जान फूँकने वाले युगदृष्टा, युगस्रष्टा एवं युग-निर्माता माना जाता है। रवींद्रनाथ टैगोर को उनकी अनूठी, हृदयस्पर्शी एवं आध्यात्मिक रचनाओं के लिए लोग गुरुदेव कहकर पुकारते हैं। उनका जन्मदिन केवल जन्म का जश्न मनाने के लिए नहीं है, बल्कि उनके विचारों और मूल्यों को याद करने और उनके सद्भाव, संपूर्णता और अखंडता के आदर्शों और आकांक्षाओं के अमूल्य योगदान का सम्मान करने का भी एक अवसर है। टैगोर एक ऐसे दिव्य एवं अलौकिक व्यक्ति एवं समाजक्रांति के प्रेरक थे, रोशनी जिनके साथ चलती थी। रवीन्द्रनाथ टैगोर का जन्म 7 मई 1861 को कोलकाता के जोड़ासांको ठाकुरबाड़ी में हुआ। उनके पिता देवेन्द्रनाथ टैगोर और माता शारदा देवी थीं। उनकी आरम्भिक शिक्षा प्रतिष्ठित सेंट जेवियर स्कूल में हुई। उन्होंने बैरिस्टर बनने की इच्छा में 1878 में इंग्लैंड के ब्रिजटोन में पब्लिक स्कूल में नाम लिखाया फिर लन्दन विश्वविद्यालय में कानून का अध्ययन किया किन्तु 1880 में बिना डिग्री प्राप्त किए ही स्वदेश लौट आए। सन् 1883 में मृणालिनी देवी के साथ उनका विवाह हुआ। टैगोर परिवार बंगाल पुनर्जागरण के समय अग्रणी था। उन्होंने साहित्यिक पत्रिकाओं का प्रकाशन किया; बंगाली और पश्चिमी शास्त्रीय संगीत एवं रंगमंच और पटकथाएं वहां नियमित रूप से प्रदर्शित हुईं थीं। टैगोर के सबसे बड़े भाई द्विजेंद्रनाथ एक दार्शनिक और कवि थे एवं दूसरे भाई सत्येंद्रनाथ कुलीन और पूर्व में सभी यूरोपीय सिविल सेवा के लिए पहले भारतीय नियुक्त व्यक्ति थे। एक भाई ज्योतिरिंद्रनाथ, संगीतकार और नाटककार थे एवं इनकी बहिन स्वर्णकुमारी उपन्यासकार थीं। टैगोर ने लगभग 2,230 गीतों की रचना की। रवींद्र संगीत बाँग्ला संस्कृति का अभिन्न अंग है। टैगोर के संगीत को उनके साहित्य से अलग नहीं किया जा सकता। उनकी अधिकतर रचनाएं तो अब उनके गीतों में शामिल हो चुकी हैं। हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की ध्रुवपद शैली से प्रभावित ये गीत मानवीय भावनाओं एवं संवेदनाओं के अलग-अलग रंग प्रस्तुत करते हैं। गुरुदेव टैगोर की कविताओं में हमें अस्तित्व के असीम सौन्दर्य, प्रकृति और भक्ति के दर्शन होते हैं। उनकी बहुत-सी कविताएं प्रकृति के सौन्दर्य से जुड़ी हैं। गुरुदेव ने जीवन के अंतिम दिनों में चित्र बनाना शुरू किया। इसमें युग का संशय, मोह, क्लान्ति और निराशा के स्वर प्रकट हुए हैं। मनुष्य और ईश्वर के बीच जो चिरस्थायी सम्पर्क है, उनकी रचनाओं में वह अलग-अलग रूपों में उभरकर सामने आया। टैगोर और महात्मा गाँधी के बीच राष्ट्रीयता और मानवता को लेकर हमेशा वैचारिक मतभेद रहा। जहां गांधी पहले पायदान पर राष्ट्रवाद को रखते थे, वहीं टैगोर मानवता को राष्ट्रवाद से अधिक महत्व देते थे। लेकिन दोनों एक दूसरे का बहुत अधिक सम्मान करते थे। एक समय था जब शान्ति निकेतन आर्थिक कमी से जूझ रहा था और गुरुदेव देश भर में नाटकों का मंचन करके धन संग्रह कर रहे थे, उस समय गांधीजी ने टैगोर को एक बड़ी राशि का अनुदान का चेक दिया था। टैगोर के कई गीतों और कहानियों ने मानव चेतना को बदलने और कार्य करने के लिए साहस और प्रतिबद्धता को प्रेरित किया। उन्होंने कला का अभ्यास कला के लिए नहीं किया, न ही आत्म-अभिव्यक्ति के तरीके के रूप में और कम से कम मनोरंजन के लिए तो कत्तई नहीं किया, बल्कि उनकी कला भी नये मानव एवं नये विश्व की संरचना से प्रेरित थी। उनकी कला जीवन के गहरे अर्थ को स्पष्ट करने और आत्मा को ठीक करने की पेशकश थी।

अपने शिल्प के उस्ताद के रूप में, टैगोर ने कविता की शुद्धता को जीने के उद्देश्य के साथ जोड़ा। उन्होंने न केवल अपने जीवन में मृत्यु, अवसाद और निराशा के कारण अनुभव किए गए दुख और पीड़ा को ठीक किया, बल्कि उन्होंने भारतीय समाज के भीतर अन्याय और असमानता के घावों को भरने के लिए भी काम किया। उन्होंने उन्नत कृषि, अच्छे स्कूलों, आरामदायक आर्थिक स्थितियों और बेहतर जीवन स्तर के माध्यम से मानव समुदायों के बाहरी विकास के लिए काम किया, लेकिन साथ ही उन्होंने आत्मा के नवीनीकरण, आत्मा की देखभाल, हृदय को पोषण और कल्पना को पोषित करने के माध्यम से आंतरिक विकास पर जोर दिया। वे एक ऐसे पुरुषार्थी पुरुष का महापुरुष के रूप में जाना पहचाना नाम है, जिन्होंने हर इंसान के महान् बनने का सपना संजोया और उसके लिये उनके हाथ में सुनहरे सपनों को साकार होने की जीवनशैली भी सौंपी।

टैगोर गहन आध्यात्मिक एवं साधक पुरुष थे, उन्होंने अध्यात्म के गहन रहस्यों को उद्घाटित किया। उनके अनुसार मौन की भाषा शब्दों की भाषा से किसी भी रूप में कमजोर नहीं होती, बस उसे समझने वाला चाहिए। जिस प्रकार शब्दों की भाषा का शास्त्र होता है, उसी प्रकार मौन का भी भाषा विज्ञान होता है। मौन को समझा तो जा सकता है, पर समझाया नहीं जा सकता। संभवतः इसीलिए रवीन्द्रनाथ टैगोर ने कहा था कि मौन अनंत की भाषा है। टैगोर अध्यात्म एवं विज्ञान के समन्वयक थे। टैगोर ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी और भौतिक कल्याण के साथ आध्यात्मिक विकास की आवश्यकता व्यक्त की। एक के बिना दूसरा एक पैर पर चलने जैसा है। वे आध्यात्मिक-वैज्ञानिक व्यक्तित्व निर्माण के प्रेरक थे। इस संतुलित और समग्र विश्वदृष्टि की अब पहले से कहीं अधिक आवश्यकता है, क्योंकि यह हमारे और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्थायी और लचीले भविष्य के लिए एक अनिवार्य आवश्यकता एवं शर्त है।

शुद्ध तर्क और शुद्ध भौतिकवाद उतने ही विनाशकारी हैं, जितने कि विशुद्ध रूप से व्यक्तिगत मोक्ष की खोज। टैगोर ने विज्ञान और तर्क के माध्यम से सत्य की खोज करते हुए शब्दों और कर्मों में शाश्वत ज्ञान और कालातीत मूल्यों को व्यक्त किया। टैगोर का विश्वदृष्टि तर्क और धर्म, आत्मा और पदार्थ की एकता को देखना और उन्हें एक साथ नृत्य करने देना है। यह एक बड़ी दृष्टि है जहाँ विज्ञान आध्यात्मिकता का पूरक है, कला पारिस्थितिकी का पूरक है और स्वतंत्रता समानता का पूरक है। रवीन्द्रनाथ टैगोर ने हमें नस्ल, रंग, धर्म, सम्प्रदाय, भाषा और राष्ट्र की अपनी क्षुद्र पहचान से ऊपर उठने और अपनी सामान्य मानवता के साथ पहचान बनाने का आग्रह किया। उन्होंने मानवता की एकता और स्वतंत्रता, न्याय और शांति के सर्वोपरि महत्व की घोषणा करते हुए अमेरिका से रूस, चीन से अर्जेंटीना तक समूचे विश्व की अथक यात्रा की। उन्होंने अपने लाखों देशवासियों को अपने संकीर्ण स्वार्थ को त्यागने और राष्ट्रीयता, समानता, एकजुटता और नैतिकता को अपनाने के लिए अपने जातिगत पूर्वाग्रहों को दूर करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने आत्म-भोग को त्याग दिया और सामाजिक विभाजन को दूर करने के लिए अथक प्रयास किया। विशेष रूप से उन्होंने विज्ञान और अध्यात्म के बीच की खाई को भरने की कोशिश की। रबीन्द्रनाथ टैगोर प्रेरणाएं इतनी विविधमुखी थी कि उनसे जीवन का कोई भी क्षेत्र अछूता नहीं रहा। चाहे वह आपसी संबंध हो, सामाजिक संबंध हो, आर्थिक संबंध हो या राजनीतिक संबंध हो- हर तरह के जीवन को उन्होंने प्रेरक बनाने का उपक्रम किया। वे कभी घटना से, कभी शब्दों से, कभी क्रिया से, कभी पत्रों से, तो कभी किसी उदाहरण या संस्मरण से व्यक्ति की चेतना को झकझोर कर आदर्श और ज्ञान के प्रति अनुराग और जोश जगाते थे।

वे इस कला में निष्णात थे कि कब किसको किन शब्दों में उचित प्रेरणा दी जाए। रवीन्द्रनाथ टैगोर के पुरुषार्थी जीवन की एक पहचान थी गत्यात्मकता। वे अपने जीवन में कभी कहीं रुके नहीं, झुके नहीं। प्रतिकूलताओं के बीच भी अपने अपने लक्ष्य का चिराग सुरक्षित रखा। इसलिए उनकी हर सांस अपने दायित्वों और कर्तव्यों पर चौकसी रखती थी। खून पसीना बनकर बहता था। रातें जागती थी। दिन संवरते थे। प्रयत्न पुरुषार्थ बनते थे और संकल्प साधना में ढलते थे। यही कारण है कि आज उनके प्रयत्नों से न केवल भारतीय समाज बल्कि विश्व मानवता का जीवन प्रेरक बना है, सार्थक बना है और वे सभी उस महामानव को तहेदिल से याद करते हैं।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

गरीब की दवा

कई बार समाचार सुनने-पढ़ने को मिलते हैं कि परिजनों के गंभीर व असाध्य रोगों के महंगे इलाज की वजह से लाखों लोग गरीबी की दलदल में डूब गए। कोरोना संकट के दौरान भी लोगों द्वारा घर, जमीन व जेवर बेचकर अपनों की जान बचाने की कोशिश की खबरें मीडिया में तैरती रही। लेकिन सामान्य दिनों में दवा कंपनियों की मिलीभगत व दबाव में लिखी जाने वाली महंगी दवाइयां भी गरीबों को टीस दे जाती हैं। इसके बावजूद कि बाजार में उसी साल्ट वाली गुणवत्ता की जेनेरिक दवा सहज उपलब्ध है। कुछ समय पहले केंद्र सरकार की ओर से जेनेरिक दवाइयां लिखने की अनिवार्यता के निर्देश का अच्छा-खासा विरोध हुआ, जिसके चलते निर्णय वापस लेना पड़ा था। अब इसी चिंता को देश की शीर्ष अदालत ने अभिव्यक्त किया है। दरअसल, बीते शुक्रवार को दवा कंपनियों की मुनाफाखोरी के कारोबार से बढ़ती दवाओं की कीमतों के बाबत एक मामले में सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने कहा कि यदि डॉक्टर केवल जेनेरिक दवाइयां ही लिखना प्रारंभ कर दें, तो दवा कंपनियों व चिकित्सकों के अपवित्र गठबंधन को तोड़ा जा सकता है। निस्संदेह, तरह-तरह के प्रलोभन व परोक्ष-अपरोक्ष लाभ देकर दवा कंपनियां चिकित्सकों पर महंगी दवा लिखने का दबाव बनाती हैं। जिसकी कीमत उन लोगों को चुकानी पड़ती है, जो महंगी दवा खरीदने की क्षमता नहीं रखते। ऐसे में वे कर्ज लेकर या अपने रिश्तेदारों से मदद लेकर किसी तरह गंभीर रोगों से ग्रस्त मरीजों का इलाज कराते हैं। इस खर्च के दबाव के चलते परिजनों को भी तमाम कष्ट उठाने पड़ते हैं। गाहे-बगाहे सरकारों ने दवा कंपनियों की बेलगाम मुनाफाखोरी रोकने को कदम उठाने की घोषणाएं तो कीं, लेकिन समस्या का सार्थक समाधान नहीं निकल पाया। चिकित्सा बिरादरी की तरफ से भी यदि इस दिशा में सहयोग मिलने लगे तो इस समस्या का समाधान किसी सीमा तक संभव हो सकता है। लेकिन विडंबना है कि ऐसा हो नहीं पा रहा है। एक संकट यह भी है कि दवा कंपनियों द्वारा प्रचार किया जाता है कि जेनेरिक दवाइयां रोग के उपचार में पर्याप्त रूप से सक्षम नहीं होती। निस्संदेह, सरकारों को इस दिशा में गंभीरता से सोचना होगा कि जेनेरिक दवाइयों को प्रोत्साहन देने के उसके प्रयास क्यों सिरे नहीं चढ़ते। एक वजह यह भी है कि दवा कंपनियों की लॉबी खासी ताकतवर होती है और साम-दाम-दंड-भेद की नीति का उपयोग करके अपने उत्पादों का विपणन करने में सफल हो जाती है। ऐसे आक्षेपों से चिकित्सा बिरादरी भी दोषमुक्त नहीं हो सकती, जो दवा कंपनियों के लोभसंवरण से मुक्त नहीं हो पाती। सरकारों को देखना चाहिए कि दवा कंपनियों द्वारा पोषित कदाचार पर नियंत्रण के प्रयास जमीनी हकीकत क्यों नहीं बन पाते। यदि ये कदम सख्ती से उठाए जाएं तो गरीब मरीज गंभीर रोगों का उपचार करने में सक्षम हो पाएंगे। फिर उनके अपनों का इलाज उनकी क्षमता के अनुरूप हो सकेगा। निस्संदेह, लंबे उपचार व असाध्य रोगों के इलाज में दवाओं की कीमत एक प्रमुख घटक होता है। यदि दवा नियंत्रित दामों में मिल सके तो उनकी बड़ी चिंता खत्म हो सकती है। निस्संदेह, दवाओं की कीमत हमारी चिकित्सा सेवाओं के लिये एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

नशा मुक्त मारवाड़ की ओर - परंपरा का नवोदय

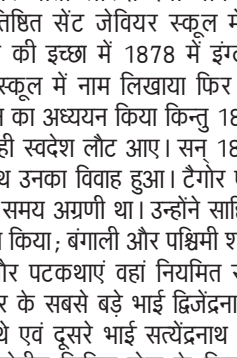

लेखाराम बिश्नोई
लेखक विचारक

पश्चिमी राजस्थान, विशेषतकर मारवाड़, अपनी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं, शौर्य गाथाओं और रंगीनी जीवनशैली के लिए विख्यात रहा है। यहां की 'मनवार' परंपरा, जिसमें प्रेमपूर्वक लोगों को आमंत्रित कर पकवानों से स्वागत किया जाता है, हमारी सभ्यता की पहचान है। किंतु वर्तमान समय में यह गौरवशाली परंपरा नशे की बुराई से प्रभावित हो रही है, जहाँ अफीम और डोडा चूरा जैसे पदार्थों ने मनवार को विकृत कर दिया है। नशा न तो हमारे गौरवशाली अतीत की कोई गाथा है, और न ही यह हमारे सपनों के उज्ज्वल भविष्य की कोई तस्वीर। यह तो हमारे वर्तमान पर पुती वह कालिख है, जो हमें अंधकार की ओर ले जा रही है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम इस कालिख को यत्नपूर्वक साफ करें, ताकि वर्तमान की चमक से हमारा भविष्य स्वर्णिम बन सके।

आज का समाज प्रगति की ओर तो बढ़ रहा है, परन्तु नशाखोरी जैसी बुराइयाँ उसकी जड़ें खोखली कर रही हैं। यह एक ऐसा दलदल है, जिसमें एक बार फँस जाने पर निकल पाना कठिन हो जाता है। युवावर्ग, जो किसी भी राष्ट्र की नींव होता है, सबसे अधिक इसकी चपेट में है। दुर्भाग्यवश, कई स्थानों पर नशे को परंपरा और सामाजिक रीतियों से जोड़ दिया गया है। इसे 'मनुहार' का नाम देकर सामाजिक स्वीकार्यता दी जा रही है, जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।

क्या यह हमारे पूर्वजों के मूल्यों का अपमान नहीं है? जिन्होंने संयम, शुद्धता और आत्मनियंत्रण को जीवन का आधार माना — आज उनके नाम पर नशे को बढ़ावा देना उनके आदर्शों की अवहेलना है।

हमें चाहिए कि वर्तमान की प्रत्यंचा को अतीत की जड़ों से जोड़ते हुए उसे भविष्य की दिशा में खींचें। यह तभी संभव है जब हम नशाखोरी जैसी बुराइयों से स्वयं भी दूर रहें और समाज को भी जागरूक करें। परिवार, विद्यालय और समाज सभी की जिम्मेदारी है कि वे बच्चों और युवाओं को सही मार्ग दिखाएँ।

सरकार को भी कठोर कदम उठाने होंगे — नशे के व्यापार को रोकना, जनजागरूकता अभियान चलाना, नशा किसी भी रूप में हमारे समाज के लिए घातक है। यह न तो हमारी संस्कृति है, न परंपरा और न ही शान।

आज आवश्यकता है कि हम सभी सज्जन शक्ति एकजुट होकर यह संकल्प लें - 'ना खुद नशा करेंगे, ना किसी को करने देंगे।' अपने हाथों से इन नशे के पदार्थों को गिराकर, अपने हाथों में पवित्र जल लेकर यह शपथ लें, कि हम अपने घर, समाज और आने वाली पीढ़ियों को इस बुराई से बचाएंगे।

हमें फिर से अपनी परंपरा को उसकी मूल भावना के साथ जोड़ने में प्रशासन काफी सक्रिय हो रहा है। विशेष कर जोधपुर पुलिस महानिरीक्षक विकास कुमार ने इस अभियान को जन-सामान्य तक पहुंचाने में बहुत बड़ा योगदान दिया है। अब समय है कि हमारी मनवार में लौंग, इलायची, मेवा, मिश्री, फल, मिष्ठान्न और पकवान हों - न कि मौत के समान नशीले पदार्थ। जब हम इस सांस्कृतिक परिवर्तन को अपनाएंगे, तब ही हम नशा मुक्त मारवाड़ और नशा मुक्त राजस्थान की ओर एक ठोस कदम बढ़ा पाएंगे।

हमारी जुबान पर जुहार होगी, दिल में गुहार होगी और समाज में मनवार होगी - लेकिन वह मनवार, जो जीवन को संजीवनी दे, उसे मृत्यु की ओर न धकेले। यह केवल व्यक्तिगत बदलाव नहीं, बल्कि सामाजिक क्रांति होगी। यदि हम आज नशे की इस विषबेला को नहीं काटेंगे, तो हमारी अगली पीढ़ी इससे जड़ से ग्रसित हो जाएगी।नशा किसी भी रूप में हमारे समाज के लिए घातक है। यह न तो हमारी संस्कृति है, न परंपरा और न ही शान। यदि हम एक स्वच्छ, सशक्त और उज्ज्वल समाज का सपना देखते हैं, तो सबसे पहले हमें नशे की इस कालिख को मिटाना होगा। तभी हमारे वर्तमान की चमक, भविष्य को स्वर्णिम बना सकेगी।

आइए, आज ही यह प्रण लें कि हम अपनी सांस्कृतिक परंपरा को बचाएंगे, उसे पुनः गौरवशाली बनाएंगे और नशे को सदा के लिए अलविदा कहकर स्वस्थ, सशक्त और समृद्ध मारवाड़ की ओर कदम बढ़ाएंगे।

लेखाराम बिश्नोई
लेखक, विचारक सामाजिक कार्यकर्ता

(चिंतन-मनन)

भय को निकालें

जब क्रियता का संवेदन होता है तो अक्रियता का संवेदन भी होगा। हमारे सारे तनाव इस परिधि में हो रहे हैं। क्रियता का संवेदन हो, क्रिय मिले, क्रिय को वियोग न हो और अप्रियता का योग न हो। बस, सारी तनाव की यह सीमा है। इसी सीमा में सारे तनाव प्रकट हो रहे हैं। पर मूल में जो छिपा हुआ कारण कार्य कर रहा है, वह मात्र एक ही है- प्रियता का संवेदन, अप्रियता का संवेदन। अब यह संवेदन है तो भय भी पैदा होगा।

एक छोटी सी कहनी है। एक आदमी बहुत डरता था। वह समझदार आदमी के पास गया जो मंत्र को जानता था। उसके पास जाकर बोला, मुझे डर बहुत लगता है। उसने ताबीज बना दिया और कहा, इसको बांध लो। तुम्हारा डर समाप्त हो जाएगा। ताबीज बांध लिया। डर लगना कम हो गया। पर मंत्र जानने वाला व्यक्ति कुछ दिन बाद ही आया और पूछा- भाई! अब डर तो नहीं लगता? उसने कहा, जो काल्पनिक था, वह तो नहीं लगता किन्तु एक डर और पैदा हो गया। निरन्तर मन में भय बना रहता है कि कहीं ताबीज गुम न हो जाए। एक भय तो समाप्त हुआ, दूसरा भय और आ गया।

जब यह दृष्टि मूल में बनी रहती है कि प्रिय का वियोग न हो जाए, अप्रिय का योग न हो जाए, तब भय अनिवार्य है। उस मूल कारण से तनाव पैदा होता है। जब प्रिय संवेदन की भावना है, उसका तनाव भी पैदा होता है। हमारे जीवन के संचालन के केन्द्र में जो तत्व है, वह है लोभ। मनोविज्ञान के अनुसार हर व्यक्ति में कुछ मौलिक मनोवृत्तियां होती हैं। जीने की इच्छा भी इसी में एक है।

विचार मंथन

माक ड्रिल को लेकर मीडिया की सक्रियता

(लेखक- सनत जैन)

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने देश के सभी राज्यों को अलर्ट रहने के लिए कहा है। भारत और पाकिस्तान के बीच कभी भी युद्ध हो सकता है। इसको देखते हुए 1971 के बाद पहली बार देश में मॉक ड्रिल का आयोजन किया जा रहा है। 7 मई को देश के अधिकांश जिलों में नागरिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आपातकालीन स्थिति में कैसे सुरक्षित हो सकते हैं। इसको लेकर व्यापक स्तर पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस प्रशिक्षण में हवाई हमले की चेतावनी सायरन के माध्यम से दी जाएगी। इस चेतावनी का मुकाबला नागरिकों को किस तरह से करना है। इसकी जानकारी दी जाएगी। विद्यार्थियों को भी इस प्रशिक्षण से जोड़ा जाएगा। हवाई हमले की स्थिति में तुरंत किस तरह से ब्लैक आउट किया जाएगा। महत्वपूर्ण स्थलों को किस तरीके से छुपाया जाएगा। हवाई हमले से यदि कोई नुकसान होता है, तो निकासी की क्या व्यवस्था होगी। सुरक्षा की क्या व्यवस्था होगी। इसका प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रत्येक जिले के अग्निशमन विभाग के अधिकारी किस तरह से राहत पहुंचाने का काम करेंगे, नियंत्रण कक्ष किस तरह से लोगों को सूचना देंगे और उनको राहत पहुंचाने का काम करेंगे। युद्ध की स्थिति में बंकरों और खाइयों का निर्माण सीमावर्ती जिलों में किस तरह से किया जाएगा। इसका प्रशिक्षण युद्ध की स्थिति में नागरिक सुरक्षा की योजनाओं को किस तरह से संचालित किया जाना है। जिला प्रशासन, आपदा प्रबंधन, पुलिस और संबंधित एजेंसियों को पूर्व अभ्यास कराया जाएगा। 1971 के बाद कभी भी भारत में इस तरीके की स्थिति नहीं बनी थी। 2025 में युद्ध की स्थिति में नागरिकों की सुरक्षा, संपत्ति और महत्वपूर्ण स्थलों को बचाने के लिए यह प्रशिक्षण जरूरी है। केंद्र सरकार द्वारा इसके लिए 7 मई का दिन निश्चित किया है। जब देशभर के अधिकांश जिलों में विशेष रूप से जो पाकिस्तान से लगे हुए सीमावर्ती राज्य हैं। उन राज्यों के सभी जिलों में बड़े पैमाने पर मॉक ड्रिल का आयोजन किया जा रहा है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद जिस तरह की स्थितियां भारत और पाकिस्तान के बीच में बनी हैं, उसको देखते हुए यह सतर्कता जरूरी थी। 55 साल की उम्र तक के लोगों ने युद्ध में किस तरह से बचाव करना होता है, यह उनकी जानकारी में नहीं है। जो लोग 55 साल की उम्र से ज्यादा के हैं उन्होंने जरूर 1962, 1965 और 1971 के दौरान हुए युद्ध में युद्ध के दौरान किस तरह से सुरक्षित रहा जा सकता है। इसकी जानकारी उन्हें है। केंद्र सरकार ने जो प्रशिक्षण देने के लिए मॉक ड्रिल का आयोजन किया है। यह सतर्कता नागरिक सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी है। जिस तरह से इस मॉक ड्रिल का टेलीविजन चैनलों द्वारा प्रचार-प्रसार किया जा रहा है, उसको लेकर एक धारणा यह भी बनने लगी है। युद्ध के दौरान कोई भी देश इस तरह के प्रचार-प्रसार से बचता है। भारत का नेशनल मीडिया सुरक्षा संबंधी सभी तैयारियों को जिस तरह से टेलीविजन चैनल में कर रहा है, यदि युद्ध होता है तो उससे भारत को नुक्सान होना तय है। भारत का नेशनल टेलीविजन मीडिया जिस तरह से तकनीकी युद्ध में उपयोग आने वाले उपकरण, सैन्य सामग्री और किस तरह की व्यवस्था सेना द्वारा की गई है, उसको सार्वजनिक किया जा रहा है।. यह स्थिति आश्चर्यचकित करने वाली है। जब युद्ध होता है तो ऐसी स्थिति में हम अपनी जानकारी को छुपाते हैं। युद्ध की दशा में हम दुश्मन देश के ऊपर किस तरह से वार करेंगे और किस तरह से युद्ध में अपनी सुरक्षा करेंगे, इसका प्रचार-प्रसार इसके पहले कभी नहीं हुआ, जो वर्तमान में हो रहा है। नेशनल टेलीविजन मीडिया जिस तरह से मॉक ड्रिल का प्रोपेगेंडा कर रहा है, युद्ध के समय हम देश की आंतरिक स्थितियों को सूचना प्रौद्योगिकी के इस दौर में घर बैठे दुश्मन देश को उपलब्ध करा रहे हैं। इससे युद्ध के दौरान भारत को काफी नुकसान उठाना पड़ सकता है। रक्षा मंत्रालय और गृह मंत्रालय को इस दिशा में टेलीविजन मीडिया पर लगाम लगाने की जरूरत है। टेलीविजन मीडिया जिस तरह से दुश्मन देश को भारत की आंतरिक जानकारी देते हुए बड़े-बड़े दावे कर रहा है। यह देश के हित में नहीं है। इस बात

का ध्यान रखे जाने की जरूरत है। वास्तव में भारत और पाकिस्तान के बीच में यदि युद्ध होता है तो नेशनल टेलीविजन मीडिया का यह कृत्य स्वीकार करने योग्य नहीं है। सरकार यदि दुश्मन देश को डराने के लिए इस तरह का प्रचार-प्रसार करा रही है, तो बात अलग है। करीब 55 साल के बाद भारत में युद्ध की स्थिति बनी है। ऐसी स्थिति में हमें सभी मोर्चे पर विशेष सतर्कता बरतनी होगी। जनता भी युद्ध में अपनी भूमिका का निर्वाह अच्छे तरीके से कर पाए, इसके लिए आम नागरिकों को भी प्रशिक्षित किया जाना जरूरी है। अनावश्यक प्रचार-प्रसार से बचा जाना चाहिए, वर्तमान स्थिति में यही कहा जा सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चांदी की तेजी ने सोने को पछाड़ा

मुंबई। अक्षय तृतीया पर ईटीएफ में सोने और चांदी की मांग में भारी वृद्धि देखने को मिली। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार कारोबार का वॉल्यूम 2.9 फ़ीसदी बढ़कर 644 करोड रुपए पर पहुंच गया है।पिछले साल इसी दिन 224 करोड रुपए का कारोबार हुआ था। त्योहार के दौरान एक्सचेंज के क्रेडिट फंड्स में आकर्षक निवेश के विकल्प बड़ी तेजी के साथ लोकप्रिय हो रहे हैं। गोल्ड ईटीएफ में बीते साल मैं भारी वृद्धि देखने को मिली है। 30 अप्रैल तक इसका ट्रेडिंग वॉल्यूम 130 करोड़ से ढाई गुना बढ़कर 331 करोड रुपए पर पहुंच गया। सिल्वर ईटीएफ ने भी भारी शानदार प्रदर्शन किया है। सिल्वर का वॉल्यूम 95 करोड रुपए से बढ़कर 313 करोड रुपए का कारोबार करने में सफल हुआ है। एक्सचेंज में सिल्वर सबसे तेजी के साथ ग्रोथ करने वाला सेगमेंट बना है।

टीसीएस ने 70 फीसदी कर्मचारियों को दिया 100 प्रतिशत त्रैमासिक परिवर्तनीय भत्ता

नई दिल्ली। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने जनवरी-मार्च तिमाही के लिए अपने 70 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों को त्रैमासिक परिवर्तनीय भत्ता (क्यूवीए) का भुगतान किया है। टीसीएस का जनवरी-मार्च तिमाही का मुनाफा 1.7 प्रतिशत की गिरावट के साथ 12,224 करोड़ रुपये और कुल राजस्व सालाना आधार पर 5.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 64,479 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने इस तिमाही में 625 कर्मचारियों को नियुक्त किया जिससे इसके कुल कर्मचारियों की संख्या छह लाख से अधिक हो गई है। इससे पहले टीसीएस ने कहा था कि वह शुल्क मुद्दों से उत्पन्न व्यावसायिक अनिश्चितताओं के कारण अपने 6.07 लाख कर्मचारियों की वार्षिक वेतन वृद्धि को स्थगित करेगी। कंपनी के मुख्य मानव संसाधन अधिकारी ने वार्षिक वेतन वृद्धि में देरी के लिए व्यावसायिक अनिश्चितताओं का हवाला दिया था। वेतन वृद्धि आमतौर पर अप्रैल से शुरू होती है। हालांकि, उन्होंने इसकी कोई जानकारी नहीं दी कि कंपनी वेतन वृद्धि की घोषणा अब कब करेगी।

देश के सेवा क्षेत्र में नए ऑर्डर प्रवाह से अप्रैल में मामूली सुधार

नई दिल्ली। देश के सेवा क्षेत्र में अप्रैल माह में मामूली सुधार दर्ज किया गया है, जो नए ऑर्डर प्रवाह की वजह से देखा जा रहा है। एचएसबीसी इंडिया के मासिक सर्वेक्षण के अनुसार अप्रैल में सेवा कारोबारी गतिविधि सूचकांक 58.7 रहा, जो मार्च की 58.5 की तुलना में बेहतर है। यह आंकड़ा इसके दीर्घकालिक औसत से अधिक है। क्रय प्रबंधक सूचकांक के अनुसार भारतीय सेवा कंपनियों को अप्रैल में लगातार तीसरे महीने में अपने कार्यबल की संख्या में वृद्धि की गई है। साथ ही उन्होंने ग्राहकों की बढ़ती मांग के अनुसार अपने विक्रय मूल्यों में भी वृद्धि की है। कंपनियों ने अपनी सेवाओं के लिए विदेशी मांग से भी लाभ उठाया है, जिसमें एशिया, यूरोप, पश्चिम एशिया और अमेरिका को विशेष रूप से ध्यान में रखा गया है। एचएसबीसी इंडिया के मुख्य अर्थशास्त्री ने इस सुधार को अभिवादन दिया और मार्च की तुलना में अधिक तेजी से इसमें वृद्धि को दर्शाया। इसके साथ ही अप्रैल में मुनाफे में भी सुधार देखा गया है जिसमें लागत दबाव कम होने का भी भागीदारी है।

सुंदरम होम फाइनेंस का मुनाफा बढ़कर हुआ 71.57 करोड़

- पिछले वर्ष के 56.80 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था

चेन्नई । सुंदरम होम फाइनेंस लिमिटेड ने जनवरी-मार्च तिमाही में अपने मुनाफे को 26 फीसदी बढ़ाकर 71.57 करोड़ रुपये तक पहुंचाया है। यह बढ़ोतरी उनके पिछले वर्ष के 56.80 करोड़ रुपये के लाभ के मुकाबले है। वित्त वर्ष 2024-25 में भी कंपनी ने चार प्रतिशत की वृद्धि के साथ 244.66 करोड़ रुपये का लाभ हासिल किया। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने इस सफलता के पीछे की रणनीति के बारे में टिप्पणी करते हुए कहा कि सुंदरम होम फाइनेंस ने छोटे शहरों में अपनी पहुंच को मजबूत करने के लिए कई पहल की है। उन्होंने बताया कि कंपनी ने 25वें वर्ष में देश भर में अपने शाखा नेटवर्क की वृद्धि की है और मजबूत संवितरण दर्ज की है।

एथर एनर्जी का आईपीओ कमजोर रिटर्न के साथ लिस्ट

– निवेशकों को हर शेयर मिला 7 रुपए का फायदा

नई दिल्ली ।

ईवी स्कूटर बनाने वाली कंपनी एथर एनर्जी के शेयर एक कमजोर रिटर्न के साथ मंगलवार को शेयर बाजार में लिस्ट हुए। एनएसई पर एथर एनर्जी के शेयर 328 रुपये प्रति शेयर के भाव पर लिस्ट हुए। इस आईपीओ के इश्यू प्राइस से अधिक मामूली प्रीमियम मिला है, जो ग्रे मार्केट की उम्मीदों से कम है।

पहले से ही एथर एनर्जी के अनलिस्टेड शेयर ग्रे मार्केट में बिक रहे थे। इस आईपीओ को सब्सक्राइब करने में निवेशकों की दिलचस्पी कम रही थी। पब्लिक इश्यू को कुल मिलाकर 1.50 गुना सब्सक्राइब किया गया। रिटेल निवेशकों ने सबसे ज्यादा दिलचस्पी दिखाई,

जबकि क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स और नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स की भी हिस्सेदारी रही। एथर एनर्जी आईपीओ को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर 7,67,49,068 इक्विटी शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुईं, जो बिक्री के लिए 5,33,63,160 शेयर थे। एथर एनर्जी की आईपीओ से जुड़ी नवीनतम जानकारी के लिए लॉगिन करें।

कॉरपोरेट मामलों में जेनसोल इंजीनियरिंग और ब्लूस्मार्ट मोबिलिटी की जांच का आदेश

नई दिल्ली। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने कंपनी कानून के कथित उल्लंघन के संबंध में मंगलवार को जेनसोल इंजीनियरिंग और ब्लूस्मार्ट मोबिलिटी के मामलों की जांच का आदेश दिया है। जेनसोल इंजीनियरिंग में धन की हेराफेरी और कामकाज संबंधी खामियों के लिए नियामक जांच के दायरे में है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अप्रैल में एक आदेश पारित कर कंपनी के प्रवर्तकों को विभिन्न उल्लंघनों के लिए प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया था। अधिकारियों ने बताया कि मंत्रालय ने पिछले सप्ताह कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 210 के तहत कंपनियों के खिलाफ जांच का आदेश दिया है। मंत्रालय को धारा 210 के तहत जनहित सहित विभिन्न आधारों पर किसी कंपनी के मामलों की जांच का आदेश देने का अधिकार है। इससे पहले मंत्रालय ने कहा था कि वह सेबी के आदेश की समीक्षा करने के बाद मामले में आवश्यक कार्रवाई करेगा। सेबी ने 15 अप्रैल को जेनसोल के प्रवर्तक के खिलाफ आदेश जारी किया था। इन प्रवर्तकों पर आरोप है कि उन्होंने अपनी सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध कंपनी जेनसोल इंजीनियरिंग से ऋण राशि को निजी उपयोग के लिए गबन किया है।

केंद्र सरकार ने आईएमएफ के ईडी को पद से हटाने का लिया फैसला

सुब्रमण्यन ने नवंबर 2022 में आईएमएफ में कार्यभार संभाला था

नई दिल्ली।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के कार्यकारी निदेशक (ईडी) के पद से कृष्णमूर्ति सुब्रमण्यन को भारत सरकार ने समय से पहले हटाने का फैसला लिया है। सुब्रमण्यन ने नवंबर 2022 में आईएमएफ में कार्यभार संभाला था और भारत, बांग्लादेश, श्रीलंका और भूटान का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। कृष्णमूर्ति सुब्रमण्यन ने आईएमएफ में कार्यकाल का निर्णय लेते समय हाल ही में प्रकाशित किताब इंडिया एट द रेट100 के प्रचार-प्रसार में कथित अनियमितताओं और आईएमएफ के डेटा सेट्स पर उठाए गए सवालों से जोड़ा गया था। आईएमएफ की वेबसाइट पर उन्हें 2 मई तक कार्यकारी निदेशक के रूप में लिस्ट किया गया था। सूत्रों का कहना है कि सुब्रमण्यन के कार्यकाल को समाप्त करने का फैसला भारत सरकार ने किया है, जिसे आईएमएफके कार्यकारी निदेशक के पद से समय से पहले हटाने का एक अनोखा मामला माना जा रहा है। सुब्रमण्यन ने 2018 से 2021 के बीच भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार के रूप में काम किया था और उनके पास यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो बूथ स्कूल ऑफ बिजनेस से फाइनेंशियल इकोनॉमिक्स में पीएचडी की डिग्री है। इस मामले में आईएमएफ की और से अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 155 , निफ्टी 81 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही मुनाफावसूली हावी रहने से आई है। इसी के साथ ही बाजार में पिछले तीन कारोबारी दिनों से जारी तेजी पर भी अंकुश लग गया। कारोबार के दौरान दिग्गज कंपनियों रिलायंस, एचडीएफसी बैंक और एसबीआई के शेयरों में गिरावट रही जिससे भी बाजार पर दबाव आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 155.77 अंक करीब 0.19 फीसदी की गिरावट के साथ ही 80,641.07 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी अंत में यह 81.55 अंक तकरीबन 0.33 फीसदी टूटकर 24,379.60 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में इटर्नल (पूर्व में ज़ोमैटो), स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया (SBI), टाटा मोटर्स, एनटीपीसी और अदानी पोर्ट्स के शेयर सबसे ज़्यादा 1.94 से 3.15 फीसदी तक टूटे। वहीं दूसरी ओर भारती एयरटेल, टाटा स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम), हिंदुस्तान यूनिलीवर और नेस्ले इंडिया के शेयर 1.66 फीसदी तक की बढ़त लेकर बंद हुए। जानकारों के अनुसार निवेशकों की ओर से मुनाफावसूली हावी होने के कारण वित्तीय शेयरों में गिरावट आई। इसके साथ ही सरकारी बैंक ऑफ बड़ौदा के कमजोर तिमाही परिणामों से भी निवेशकों का रुख प्रभावित हुआ।

वहीं अमेरिका शेयर बजार में वॉल स्ट्रीट के प्रमुख इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। प्रौद्योगिकी आधारित नैस्डैक 0.74 फीसदी नीचे, व्यापक एसएंडपी

500 0.64 फीसदी नीचे तथा डाऊ जोन्स 0.24 फीसदी नीचे बंद हुए।

एशियाई बाजारों की बात करें तो जापान और दक्षिण कोरिया का बाजार बंद रहा। वहीं गत दिवस बाजार बढ़त पर बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह बाजार सपाट स्तर पर खुला। सेंसेक्स 13 अंक की मामूली गिरावट के साथ 80,783 और निफ्टी 3 अंक की बढ़त के साथ 24,467 पर कारोबार कर रहा था। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी सपाट कारोबार हो रहा है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 21 अंक की गिरावट के साथ 54,653 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 14 अंक या 0.08 फीसदी की कमजोरी के साथ 16,595 पर कारोबार कर रहा था। शुरुआती सत्र में ऑटो, आईटी, एफएमसीजी, मेटल, एनर्जी और इन्फ्रा इंडेक्स हरे निशान में कारोबार हो रहे थे पीएसयू बैंक, फार्मा, रियल्टी, मीडिया और प्राइवेट बैंक इंडेक्स लाल निशान में थे।

यूपीएस और यूएसपीएस में 20,000 पदों की कटौती की घोषणा

डाक सेवा को करीब 100 बिलियन डॉलर का घाटा होने पर लिया फैसला

न्यूयॉर्क।

एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी डाक सेवा (यूएसपीएस) और यूनाइटेड पार्सल सर्विस (यूपीएस) में इस साल 20,000 पदों की कटौती का एलान किया गया है। यह संकेत दिखाता है कि दोनों कंपनियों को अर्थव्यवस्था में मजबूत बनाने के लिए कटौती और संचालन में सुधार करने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। यूपीएस के चीफ एक्जिक्यूटिव ने बताया कि कंपनी इस साल 20,000 पदों की कटौती करेगी जो कि उसके वैश्विक कार्यबल का लगभग 4 प्रतिशत है। इसके साथ ही 73 वितरण केंद्रों को बंद करने की योजना बना रही है जिसमें 400 सर्विसेज को पूर्ण या आंशिक रूप से स्वचालित करने की योजना है। इस नए संदेश के बाद, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ और डिजिटल इनोवेशन के निर्धारण ने उनके संचालन पर असर डालने की उम्मीद दिखाई है। यह कदम उन्हें मजबूती का दबाव दिखा रहा है जबकि डाक सेवा के घाटे के लिए अतिरिक्त बदलाव के संकेत भी दिखाई दे रहे हैं। यूपीएस ने भी अपने व्यवसाय-संबंधी संचालन में कटौती की घोषणा की है ताकि वह अमेजन के साथ व्यापक समझौते में 50 प्रतिशत से अधिक कमी कर सके। इस संकेत के साथ, यूएसपीएस ने भी 10,000 पदों की कटौती की घोषणा की है जिसमें सरकारी दक्षता विभाग से बजट कमी का सहायता भी है। इस स्थिति में स्पष्ट है कि यूपीएस और यूएसपीएस की कटौती के नए उठानों से डाक सेवा पर दबाव बढ़ रहा है और उन्हें व्यापक सुधारों की आवश्यकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब डाक सेवा को करीब 100 बिलियन डॉलर का घाटा हुआ है और अनुमान है कि उसे 200 बिलियन डॉलर का अतिरिक्त घाटा होगा। 2024 तक यूएसपीएस में 533,724 लोग कार्यरत थे। 20,000 पदों में

कटौती और 400 सुविधाओं पर काम को स्वचालित करने के बावजूद, यूपीएस का कहना है कि इसके संचालन में किए गए बदलावों से ग्राहकों के अनुभव पर कोई असर नहीं पड़ेगा लेकिन अमेरिकी डाक सेवा के लिए कुछ बदलावों की उम्मीद की जानी चाहिए।

रिलायंस की डिजिटल कंपनी जियो प्लेटफार्म जल्द लाएगी आईपीओ

जियो ने सितंबर 2016 में अपनी टेलीकॉम सर्विस शुरू की थी

नई दिल्ली। रिलायंस की डिजिटल कंपनी जियो प्लेटफार्म के जल्द आईपीओ प्रक्रिया शुरू करने की संभावना है। विश्लेषकों के मुतो बिक कंपनी की एंटरप्राइज वैल्यू करीब 136 बिलियन डॉलर से 154 बिलियन डॉल्र के बीच आंकी गई है। यह वैल्यूएशन इसे दुनिया की छठी सबसे बड़ी लिस्टेड टेलीकॉम कंपनी के बराबर लाता है। जियो ने सितंबर 2016 में अपनी टेलीकॉम सर्विस शुरू की थी और इतने कम समय में यह मुकाम हासिल करना इसे दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली टेलीकॉम कंपनियों में शामिल करता है। ग्लोबल ब्रोकरेज फर्मों गोल्डमैन सैक्स और जेफरीज के हालिया अनुमान के अनुसार रिलायंस इंडस्ट्रीज की डिजिटल और टेलीकॉम यूनिट जियो प्लेटफॉर्म्स की वैल्यूएशन अगर 154 अरब डॉलर तक पहुंचती है, तो यह भारत की टेलीकॉम कंपनी भारती एयरटेल को पीछे छोड़ देगी और दुनिया की छठी सबसे मूल्यवान टेलीकॉम कंपनी बन जाएगी। इस वैल्यूएशन पर जियो, कॉमकास्ट, चाइना टेलीकॉम, एनटीटी, सॉफ्टबैंक, सऊदी टेलीकॉम, अमेरिका मोबाइल और सिंगापुर टेलीकॉम जैसी दिग्गज कंपनियों को भी पीछे छोड़ देगी। फिलहाल भारती एयरटेल का मार्केट कैप 131.34 अरब डॉलर है और वह छठे स्थान पर है।

मात्र 10 मिनट में रेडमी वॉच मूव के बिके 1000 यूनिट

नई दिल्ली।

बीती 1 मई को आयोजित सेल में रेडमी वॉच मूव बेहद तेजी से बिकी और केवल 10 मिनट के भीतर इसके 1000 से अधिक यूनिट्स फ्लिपकार्ट पर बिक गए। भारत में रेडमी वॉच मूव ने अपनी पहली ही सेल में नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया है।

इस दमदार रिस्पॉन्स के बाद कंपनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी कि रेडमी वॉच मूव फ्लिपकार्ट पर सबसे ज्यादा बिकने वाली स्मार्टवॉच बन गई है। f

सर्फ 1,999 रुपये की कीमत पर उपलब्ध यह स्मार्टवॉच ब्लू ब्लेज, ब्लैक ड्रिफ्ट, गोल्ड रश और सिल्वर स्प्रिंट जैसे आकर्षक रंगों में आती है। इसमें 1.85 इंच की रैक्टेंगुलर 2.5डी कर्व्ड एमोलेड डिस्प्ले दी गई है, जिसका रिजॉल्यूशन 390गुणा450 पिक्सेल है। यह 60 हर्ट्ज रिफ्रेश रेट, 600 निट्स ब्राइटनेस और ऑलवेज-ऑन डिस्प्ले के साथ शानदार व्यूइंग अनुभव प्रदान करती है। रेडमी वॉच मूव में 140 से ज्यादा स्पोर्ट्स मोड और कई हेल्थ ट्रैकिंग फीचर्स जैसे हार्ट रेट, एसपीओ, स्ट्रेस लेवल, स्लीप और मेंस्ट्रुअल साइकल ट्रैकर मौजूद हैं।

300 एमएएच बैटरी से लैस

यह वॉच सामान्य उपयोग में 14 दिनों तक चलती है। इसमें अल्ट्रा बैटरी सेवर मोड भी दिया गया है। महज 25 ग्राम वजन वाली यह वॉच IP68 डस्ट और वाटर रेसिस्टेंस के साथ आती है। पहली सेल की सफलता ने इसे बाजार में हिट बना दिया है।यह वॉच शाओमी के हायपरओएएस पर चलती है और हिंदी भाषा का सपोर्ट भी देती है। इसमें ब्लूटूथ कॉलिंग की सुविधा है और यह एंड्रॉयड,आईओएस दोनों डिवाइसेस के साथ कम्पैटिबल है।

ईपीएफओ बीएसएनएल और एमटीएनएल से जमीन खरीदने की तैयारी में

दूरसंचार विभाग से सहायता मांगी है ताकि संपत्तियों की सूची तैयार की जा सके

नई दिल्ली।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) और महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड (एमटीएनएल) से जमीन और इमारतें खरीदने की तैयारी कर रहा है। इसका उद्देश्य बढ़ते सब्सक्राइबर बेस को ध्यान में रखकर पूंजीगत ढांचे को मजबूत करना है। 28 फरवरी को हुई ईपीएफओ की सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज की बैठक में, श्रम और रोजगार मंत्री और बोर्ड के चेयरमैन ने सरकार के स्तर पर संपत्तियों को प्राप्त करने के लिए दूरसंचार विभाग से सहायता की मांग की। ईपीएफओ की योजनाबद्ध रणनीति के तहत, वे बीएसएनएल और एमटीएनएल के साथ सक्रिय रूप से मिलकर इमारतें खरीदने की कार्रवाई में लिए जा रहे हैं। ईपीएफओ के अनुसार उन्होंने चेयरमैन के निर्देशों के अनुसार दूरसंचार विभाग से सहायता मांगी है ताकि संपत्तियों की सूची तैयार की जा सके और ये प्रयास तेजी से लागू किए जा सकें। बीएसएनएल ने अपनी 5,208 खाली जमीन और इमारतों की सूची बनाई है और अन्य संपत्तियां भी बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। इस कार्य में अब ईपीएफओ ने मार्च 2023 में शुरुआत की है। ईपीएफओ की योजना के तहत, उनका लक्ष्य अपनी भौतिक अवसंरचना को मजबूत करना है ताकि वे बढ़ते सब्सक्राइबर बेस को पूरी तरह से संतुष्ट कर सकें। यह कदम ईपीएफओ के विकास में महत्वपूर्ण है और एक नई मील का पत्थर साबित हो सकता है।

यस बैंक के शेयर 10 फीसदी से ज़्यादा उछले

यस बैंक के शेयर सोमवार को 17.73 के स्तर पर बंद हुए थे

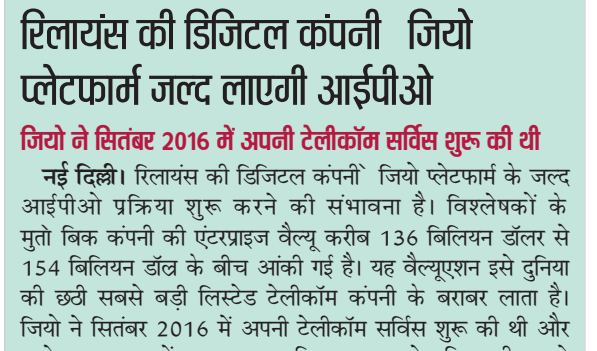

नई दिल्ली ।

यस बैंक के शेयरों में मंगलवार को जोरदार तेजी देखने को मिल रही है। दरअसल, यस बैंक के शेयर शुरुआती कारोबार में 10 फीसदी से ज़्यादा उछल गए। बीएसई पर यस बैंक के शेयर 19.24 के स्तर पर खुले, और 9.64 फीसदी की उछाल के साथ 19.44 प्रति शेयर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। यस बैंक के शेयर सोमवार को 17.73 के स्तर पर बंद हुए थे। फिलहाल, यस बैंक के शेयर ऊपरी स्तरों से हल्के होकर 5 फीसदी की तेजी के साथ 18.62 रुपये के लेवल पर कारोबार कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, जापान के बैंकिंग ग्रुप एसएमबीसी ने यस बैंक में बड़ी हिस्सेदारी बनने के लिए आरबीआई की मंजूरी हासिल कर ली है। इस मामले से परिचित लोगों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि इस ट्रांजेक्शन की कीमत 1.7 बिलियन डॉलर हो सकती है। जापानी बैंकिंग ग्रुप यस बैंक में हिस्सेदारी खरीदने के लिए दो प्रमुख विकल्पों पर विचार कर रहा है। इसमें पहला या तो यह समूह शुरुआत में 26 फीसदी से कम हिस्सेदारी हासिल कर सकता है और बाद में शेयर स्वैप के जरिए यस बैंक के साथ मर्जर कर सकता है या यह सीधे 26 फीसदी तक अधिग्रहण कर सकता है और एक ओपन ऑफर ला सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एसएमबीसी की कुल हिस्सेदारी अंततः 51 फीसदी तक बढ़ सकती है, लेकिन आरबीआई के नियमों के अनुसार इसके वोटिंग अधिकार 26 फीसदी तक सीमित रहेंगे।

मूडीज ने भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान घटाकर किया 6.3 प्रतिशत

नई दिल्ली ।

मूडीज ने मंगलवार को 2025 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर का अनुमान कम कर दिया। इसके मुताबिक भारत की जीडीपी वृद्धि दर को 6.5 प्रतिशत से 6.3 प्रतिशत कर दिया गया है। रेटिंग एजेंसी ने उदाहरण के रूप में अमेरिकी नीति अनिश्चितता और व्यापार प्रतिबंधों के कारण वैश्विक स्तर पर अर्थव्यवस्थाओं पर दबाव का निरीक्षण किया। मूडीज ने अपने ग्लोबल मैक्रो आउटलुक 2025-26 में सुझाव दिया कि भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के चलते भू-राजनीतिक तनावों से इसके आधारभूत वृद्धि पूर्वानुमान पर नकारात्मक प्रभाव हो सकता है। इसी बारे में मूडीज ने निवेशकों और व्यवसायों को चेताया कि नए भू-राजनीतिक विन्यासों के साथ निवेश करने की आवश्यकता है। मूडीज के मुताबिक भारत की वृद्धि अनुमानों को 2025 के लिए 6.3 प्रतिशत और 2026 के लिए 6.5 प्रतिशत पर बनाए रखा गया है। यह अंक 2024 के 6.7 प्रतिशत से कम है। वहीं भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के विशेष दरों कम करने से वृद्धि पर सकारात्मक प्रभाव हो सकता है। अमेरिका और चीन के मामले में भी मूडीज ने वृद्धि अनुमानों में कमी का संकेत दिया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बारिश के कारण हैदराबाद का प्लेऑफ का सपना टूटा

नई दिल्ली।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ बारिश के कारण मैच रद्द होने से सनराइजर्स हैदराबाद की टीम प्लेऑफ से बाहर हो गयी गयी है। इस अहम मुकाबले में सनराइजर्स ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए दिल्ली को 133 रनों पर समेट दिया था पर दूसरी पारी में बारिश के कारण उसके बिना खेल ही बाहर होना पड़ा है। इससे दोनो ही टीमों को एक-एक अंक मिला। मैच रद्द होने से दोनो ही टीमों को एक-एक अंक मिला जिससे हैदराबाद के प्लेऑफ की उम्मीदें समाप्त हो गयीं। हैदराबाद की टीम ने अच्छी गेंदबाजी करते 62 रन पर ही 6 विकेट ले लिए। वहीं इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में उतरे आशुतोष शर्मा ने ट्रिस्टन स्टब्स साथ मिलकर टीम को 133 रन पहुंचाया। हैदराबाद के मजबूत बल्लेबाजी क्रम को देखते हुए लग रहा था कि टीम आसनी से लक्ष्य आसान कर लेगी पर बारिश के कारण ऐसा हो नहीं पाया। उसके 11 मैचों में 3 जीत और एक मैच रद्द होने से 7 अंक हैं। अब उसे तीन मैच खेलने हैं जिसमें अगर वह जीतती है तो भी उसके 13 अंक ही होंगे जिससे प्लेऑफ में पहुंचना संभव नहीं है।

सीएसके को हराकर प्लेऑफ की संभावनाएं बनाये रखने उतरेगी केकेआर

शाम 7.30 बजे से शुरु होगा मुकाबला

कोलकाता।

आईपीएल में बुधवार को यहां के ईडन गार्डन्स मैदान पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज कर अपनी प्लेऑफ की उम्मीदे बनाये रखने के लिए उतरेगी।

केकेसार के अभी 11 अंक हैं और अगले तीनों मैच में जीतने पर उसके 17 अंक हो जाएंगे हालांकि इसके बाद भी उसकी प्लेऑफ में जगह पक्की नहीं है, ऐसे में उसे नेट रन रेट भी बेहतर रखना होगा। ऐसे में केकेआर इसे मैच में जीत के लिए पूरी ताकत लगा देगी। वहीं सीएसके की टीम पहले ही प्लेऑफ से बाहर हो गयी है , ऐसे में वह बिना किसी दबाव के खेलेगी। केकेआर को इस सत्र में अपने घरेलू मैदान पर अधिकतर हार का सामना करना पड़ा है जिसका भी लाभ उठाना चाहेगी सीएसके। इसके अलावा सीएसके का लक्ष्य में इस मैच में अपने युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर नजरें बनाये रखना रहेगा। ये मैच सीएसक के कप्तान धोनी का इस ऐतिहासिक मैदान पर अंतिम मैच हो सकता है। ऐसे में वह प्रशंसकों के आकर्षण का केन्द रहेंगे। ईडन गार्डन्स धोनी की कई उपलब्धियों का गवाह भी रहा है जिनमें प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पहला शतक और टेस्ट क्रिकेट में दो शतक भी शामिल हैं। उन्होंने यहां क्लब क्रिकेट भी खेला है। धोनी का प्रदर्शन अब पहले की तरह आकर्षक नहीं रहा है हालांक उनके चाहने वालों का उनके साथ भावनात्मक लगाव है और इसलिए वे बड़ी संख्या में यहां पहुंच सकते हैं।

चेन्नई की टीम पिछले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से दो रन से हार गई थी। धोनी ने इस मैच में आठ गेंद पर 12 रन बनाए लेकिन वह अंतिम ओवर की तीसरी गेंद पर आउट हो गए जिससे चेन्नई की टीम लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाई थी। धोनी ने मैच के बाद हार की जिम्मेदारी ली थी।

वहीं केकेआर को पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ एक रन से जीत मिली थी जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा और वह इस सिलसिले को बनाये रखना चाहेगी। केकेआर को अगर इस मैच में जीत दर्ज करनी है तो उसके बल्लेबाजों और गेंदबाजों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

आईपीएल के इस सत्र में छक्के मारने में अव्वल रही राजस्थान रॉयल्स

नई दिल्ली।

आईपीएल के इस सत्र में राजस्थान रॉयल्स की टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है पर अभी तक सबसे अधिक छक्के मारने के मामले में वह पहले नंबर पर है। रॉयल्स ने अभी तक खेले 12 मैचों में 123 छक्के लगाये हैं और इस सत्र की सबसे ज्यादा छक्के मारने वाली टीम बनी हुई है। यह प्रदर्शन बताता है कि भले ही टीम अंक तालिका में पिछड़ गई हो, लेकिन बल्लेबाजों ने निडर होकर खेला।

वहीं सबसे अधिक छकके लगाने में दूसरे नंबर पर पंजाब किंग्स है, जिसने 11 मैचों में 114 छक्के लगाए हैं। पंजाब की टीम अभी प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है। किन उनके बल्लेबाजों का आक्रामक अंदाज प्रशंसकों का भरपूर मनोरंजन कर रहा है। वहीं तीसरे नंबर पर लखनऊ सुपर जायंट्स है, जिसने 11 मैचों में 111 छक्के लगाये हैं और वह प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है। चौथे नंबर पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू है, जो अंक तालिका में शीर्षपर चल रही है लेकिन छक्कों के मामले में पीछे है। उसके नाम अब तक 96 छक्के हैं।

मुंबई इंडियंस ने भी इस सीजन में आक्रामक बल्लेबाजी की है। उसने 11 मैचों में कुल 95 छक्के लगाये हैं। गुजरात टाइटन्स, जिन्होंने अब तक सबसे कम यानी 10 मैच खेले हैं, 85 छक्कों के साथ छठे स्थान पर हैं। दिल्ली कैपिटल्स भी 11 मैचों में 85 छक्के लगाकर उसकी बराबरी पर हैं। इसके बाद कोलकाता नाइट राइडर्स का नाम आता है, जिनके पावर हिटर के बावजूद 11 मैचों में सिर्फ 81 छक्के ही लग पाए हैं। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ने भी 11 मैचों में सिर्फ 77 सिक्स लगाए हैं। इस लिस्ट में सबसे नीचे चेन्नई सुपर किंग्स रही, जिसने 11 मैचों में केवल 66 छक्के लगाये हैं।

प्लेऑफ के लिए शीर्ष चार की दौड़ में शामिल हैं ये टीमें

अब तक तीन टीमें हुई हैं बाहर

मुम्बई।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस 18 वें सत्र में तीन टीमें जहां प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी हैं। वहीं शीर्ष चार स्थान के लिए सात टीमें दौड़ में हैं। इस साल का मुकाबला अपने अंतिम चरण में है। जहां सनराइजर्स राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी हैं। वहीं सात अन्य टीमें शीर्ष चार की दौड़ में बरकरार हैं। इसमें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी), पंजाब किंग्स, गुजरात टाइटंस, मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स की टीम शामिल है।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) प्लेऑफ में जगह बनाने की सबसे प्रबल दावेदार है। आरसीबी के अभी 11 मैच के बाद 16 अंक हैं और उसका नेट रन रेटः0.482 है। उसे अभी लखनऊ सुपरजायंटस , सनराइजर्स हैदराबाद और केकेआर से खेलना है और शीर्ष 4 में जगह बनाने के लिए केवल एक जीत की जरुरत है। है।

पंजाब किंग्स

मैच- 11, अंकः 15, नेट रन रेटः 0.376

बचे मैचः डीसी , एमआई , आरआर

पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के 11 मैचों में 15 अंक हैं और उसका नेट रन रेट- 0.376 है। प्लेऑफ में पहुंचने उसे अगले तीन मैचों में से दो मैच जीतने होंगे। वही अपने बाकी मैचों में से केवल एक जीतकर भी प्रवेश हासिल कर सकती है पर इसके लिए उसे अन्य टीमों के परिणामों पर आधारित रहना होगा।

मुंबई इंडियंस

मैच- 11, अंक 14, नेट रन रेटः 1.124

बचे मैचः जीटी , पीबीकेएस , डीसी

मुंबई इंडियंस (एमआई) टीम ने 11 मैचों में 14 अंक हासिल किए हैं , उसका हैं नेट रन रेटः 1.124

उसे प्लेऑफ में जगह बनाने 3 मैचों में से 2 जीतने होंगे

गुजरात टाइटंस

मैच- 10, अंकः 14, नेट रन रेटः 0.867

बचे मैचः एमआई , डीसी , एलएसजी , सीएसके

गुजरात टाइटंस (जीटी) ने अभी तक सिर्फ 10 मैच खेले हैं। उनके पास 14 अंक हैं और नेट रन रेटः 0.867 है। उसे शीर्ष 4 में जगह बनाने के लिए बाकी 4 मैचों में से सिर्फ 2 जीतने हैं।

दिल्ली कैपिटल्स का आईपीएल प्लेऑफ समीकरण

मैचः 11, अंकः 13, नेट रन रेटः 0.362

बचे मैचः पीबीकेएस, जीटी, एमआई

दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) का सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच बारिश के कारण रद्द हो गया। इससे डीसी के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें अभी समाप्त नहीं हुई हैं पर अभी अपने बाकी 3 मैचों में से कम से कम 2 जीतने होंगे। उसके 11 मैचों में 13 अंक हैं।

कोलकाता नाइटराइडर्स

कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) को अपने बचे हुए तीनों मैच जीतने होंगे। इससे उनके 14 मैचों में 17 अंक हो जाएंगे। लेकिन यह भी काफी नहीं हो सकता है। ऐसे में उनकी किस्मत नेट रन रेट और दूसरी टीमों के नतीजों पर निर्भर करेगी।

लखनऊ सुपर जायंट्स

लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए आगे की राह बेहद कठिन है। अबर वह अपने बाकी 3 मैचों में जीत भी ले तो उसके 16 अंक ही होंगे। ऐसे में उसका क्वालीफाई करना पूरी तरह से दूसरे परिणामों पर निर्भर करेगा। सभी टॉप-7 की टीमों को टूर्नामेंट से बाहर हो

चुकी सीएसके, आरआर और एसआरएच के साथ खेलना है।

ऐसे में ये तीन टीम इनका समीकरण बिगाड़ सकती हैं। इन तीन टीमों से हारने वाली टीमें प्लेऑफ की दौड़ से बारह होंगी।

संक्षिप्त समाचार

रोहित ने सिराज को दिया उपहार

मुम्बई।

आईपीएल के इस सत्र में मुम्बई इंडियंस के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने शानदार प्रदर्शन किया है। वहीं मुम्बई की टीम भी प्लेऑफ की प्रबल दावेदार है। गुजरात टाइटंस से मुकाबले से पहले रोहित ने अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया है। इसमें रोहित तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को एक विशेष उपहार देते दिख रहे हैं। रोहित ने टी20 विश्व कप जीत की याद में सिराज को से अंगूठी दी। भारत का आईसीसी टी20 विश्व कप अभियान अजेय रहा था। इसमें भारतीय टीम ने अपने सभी मैच जीते थे। कनाडा के खिलाफ उसका मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था। वहीं भारतीय टीम ने पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड, अफगानिस्तान और अंत में दक्षिण अफ्रीका को रोमांचक फाइनल में हराकर पहला विश्व खिताब जीता था। भारतीय टीम ने आईसीसी टूर्नामेंट, चैंपियंस ट्रॉफी में भी यही फार्म बनाये रखा। सिराज गुजरात टाइटंस की ओर से खेलते हैं। रोहित ने जहा मुंबई इंडियंस के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। वहीं सिराज ने गुजरात की ओर से अच्छी गेंदबाजी की है

ऋषभ को अड़ियल रवैये से हो रहा नुकसान, पारी की शुरुआत करें: रायुडू

नई दिल्ली।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत की आलोचना करते हुए कहा है कि उन्हें अपनी जिद से नुकसान हो रहा है। रायुडू के अनुसार वह अपने बल्लेबाजी क्रम में बदलाव नहीं करने के कारण असफल हो रहे हैं। रायुडू के अनुसार ऋषभ के अंदर मध्य क्रम में बल्लेबाजी करने की मानसिकता नहीं है जिसका नुकसान उन्हें हो रहा है। इसलिए उन्हें सलामी बल्लेबाज के रूप में उतरना चाहिये। वह इस सत्र में सबसे महंगे खिलाड़ी होने के बाद भी रन बनाने में विफल रहे हैं। ऋषभ ने इस सत्र में केवल एक अर्धशतक लगाया है। रायुडू ने कहा, मुझे उनके लिए बहुत दुख हो रहा है, क्योंकि वह अपने बल्लेबाजी क्रम और रवैय में बदलाव करने में विफल रहे हैं। मुझे लगता है कि वह चीजों को अड़ियल रुख अपनाये हुए हैं। यह उनके लिए ठीक नहीं रहेगा। इस गेम में ऐसा होता है और वह बहुत ही खराब दौर का सामना कर रहे हैं। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, ऐसा किसी के साथ भी हो सकता है। मैं बस यही उम्मीद करता हूं कि वह इस सीख को अपनाएं और इसमें सुधार करें।इस दौरान उन्हें याद रखना चाहिये कि वह संघर्ष कर रहे हैं और चीजों को थोड़ा अलग तरीके से देखना शुरू करें और हर दिन बेहतर होने का प्रयास करें।।

रायुडू ने साथ ही कहा, मुझे लगता है कि किसी भी चीज से ज्यादा यह देखना होगा कि वह चाहते हैं। मेरे हिसाब से उनके लिए पारी शुरु करना अच्छा रहेगा। इसका कारण है कि मध्यक्रम में विफल रहे रहे हैं। मुझे पता है कि उसे मध्यक्रम में खेलना पसंद है पर उसके लिए उसके पास जरूरी कौशल और मानसिकता की कमी नजर आती है।

डिविलियर्स बोले, विराट की बल्लेबाजी से आलोचकों को करारा जवाब मिला

जोहांसबर्ग।

दक्षिण अफ्रीका पूर्व क्रिकेटर एबी डिविलियर्स आईपीएल में विराट कोहली के शानदार प्रदर्शन से बेहद खुश हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) में विराट के साथी रहे डिविलियर्स ने इसी को लेकर अब आलोचकों पर भी निशाना साध है। डिविलियर्स ने कहा है कि कोहली के स्ट्राइक रेट पर सवाल उठाने वाले दिग्गजों को भी अब जवाब मिल गया होगा। उन्होंने सुनील गावस्कर और वीरेंद्र सहवाग के पुराने बयानों के स्क्रीन शॉट के साथ एक वीडियो भी साझा किया है। उन्होंने मीडिया को भी विराट की आलोचना से बचने को कहा है। इस क्रिकेटर ने सीएसके के खिलाफ विराट की 62 रन की आक्रामक पारी के बाद कहा है कि कोहली आरसीबी के लिए मिस्टर सेफ्टी हैं। वह जब तक होते हैं किसी बात की चिन्ता न करें। उसने पिछले मैच में करीब 200 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की थी।

डिविलियर्स ने कहा, 'विराट हमेशा वहां है। वह आरसीबी के लिए मिस्टर सेफ्टी हैं। जब वह हैं तो आपको डरने की जरूरत नहीं। जब विराट पास हो तो कभी मत डरो। यही मेरा कहना है। मैं मीडिया के लोगों से जो कहना चाहता हूं आपने कहा था कि विराट बहुत धीमी बल्लेबाजी कर रहा है। वहीं अब देखे उसने 200 के स्ट्राइक रेट से बैटिंग की। ' डिविलियर्स ने अपने वीडियो के अंत में कहा उसे पचाइए। इसका मतलब है कि आपके पास तथ्य को स्वीकार करने के अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं है। इस पूर्व क्रिकेटर ने गावस्कर और सहवाग के पुराने बयानों से जुड़ीं खबर का स्क्रीन शॉट भी डाला है। पिछले साल विराट कोहली को टी 20 क्रिकेट में खराब स्ट्राइक रेट की वजह से काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। पिछले साल उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 67 गेंदों में शतक पूरा किया था जो आईपीएल इतिहास का सबसे धीमा शतक है। तब सहवाग ने विराट कोहली के स्ट्राइक रेट पर सवाल उठाये थे।

इसी तरह सुनील गावस्कर ने भी पिछले साल सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में कॉमेंट्री के दौरान ऑन एयर ही विराट के स्ट्राइक रेट की आलोचना की थी। उन्होंने आरसीबी के तत्कालीन कप्तान कोहली के जोखिम लेकर बल्लेबाजी नहीं करने पर निराशा जाहिर की थी, खासकर तब जब लाइनअप में अच्छे बिग-हिटर मौजूद थे।

विटोरी बोले, हालात अलग होने के कारण बड़े स्कोर नहीं बना पा पायी टीम

नई दिल्ली।

सनराइजर्स हैदराबाद टीम के मुख्य कोच डेनियल विटोरी ने कहा है कि इस बार हालत और पिच का मिजाज अलग होने के कारण उसकी टीम बड़े स्कोर नहीं बना पायी है। पिछले सत्र में जहां सनराइजर्स ने कई बड़े स्कोर बनाये थे और आक्रामक बल्लेबाजी उसकी ताकत मानी जाती थी। वहीं इस बार उसके बल्लेबाज विफल रहे हैं। टीम ने अपने पहले ही मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 286 रन बनाये थे पर इसके बाद वह आगे के मैचों में ये सिलसिला बरकारार नहीं रख पायी। विटोरी ने कहा कि इस बार घरेलू परिस्थितियां टीम के अनुकूल नहीं थीं। सनराइजर्स ने पिछले साल अधिकतर मैचें में 200 से ज्यादा रन बनाये थे पर इस बार उसके आक्रामक बल्लेबाज ट्रैविस हेड, अभिषेक शर्मा, इशान किशन और हेनरिक क्लासेन भी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे जिससे भी टीम को नुकसान हुआ है। अधिकतर मुकाबलों में मिली हार के कारण टीम प्लेऑफ की दौड़ से भी बार हो गयी है। विटोरी ने कहा, 'हर मैच में आक्रामक रखने से भी हमें नुकसान हुआ। मैंने कहा कि हम हालातों का आंकलन कर रहे हैं और मुझे लगता है कि इस साल हालात वैसे नहीं थे जैसे पिछली बार थे।' उन्होंने कहा, 'अगर आप पिछले साल को देखें, तो कई बड़े स्कोर वाले मैच खेले गए थे पर इस बार ऐसा नहीं हुआ। इस बार कि पिचों पर बल्लेबाजी करना आसान नहीं था। इसलिए हमने केवल हातातों के अनुसार खेलने को लेकर बात की थी।' सनराइजर्स ने इस सत्र में दो बार ही 200 से अधिक रन बनाये। पहले मैच में 286 के बाद उसने एक मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ 245 रन का लक्ष्य हासिल किया था। इन दो मैच को छोड़कर उसके बल्लेबाज अन्य मैचों में रन नहीं बना पाये। विटोरी ने कहा, 'हमारे खिलाड़ी स्वाभाविक रूप से आक्रामक हैं। इस सत्र में हमें यह सीख मिली कि किस दिन क्या करना जरूरी है। हमने यहां चार ऐसे मैच खेले जो तेज गेंदबाजों के अनुकूल थे।

जयवर्धने बोले, इस कारण रोहित को बनाया इंपैक्ट सब

मुम्बई। मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने कहा है कि बल्लेबाज रोहित शर्मा को इंपैक्ट सब बनाने को लेकर सफाई देते हुए कहा कि रोहत को इंपैक्ट सब के रूप में उतारने का फैसला पहले से नहीं किया गया था। इसे टीम की जरुरत को देखते हुए लिया गया। जयवर्धने के अनुसार रोहित चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद से ही हल्की चोट से परेशन हैं। उन्होंने कहा, सभी टीमों में आज अधिकतर खिलाड़ी दोहरी भूमिका निभा रहे हैं। वे गेंदबाजी भी कर रहे हैं और तेज़ी से फील्डिंग भी। साथ ही कुछ मैदानों पर बाउंड्री लाइन पर तेज़ खिलाड़ियों की ज़रूरत होती है, तो वह भी ध्यान में रखना पड़ता है. उन्होंने कहा कि रोहित की हल्की चोट को देखते हुए हमारा प्रयास है कि उन पर ज़्यादा बोझ न पड़े। रोहित मैदान के बाहर और अंदर दोनों ही जगहों पर टीम के लिए अहम भूमिका निभाते आये हैं। वह डगआउट में हमेशा मौजूद रहते हैं, टाइमआउट्स के दौरान मैदान पर आते हैं और खिलाड़ियों से बात करते हैं।

सहवाग बोले, धोनी से बात करें ऋषभ

नई दिल्ली।

लखनऊ सुपर जॉयंट्स के कप्तान ऋषभ पंत आईपीएल के इस सत्र में फ्लॉप रहे हैं। आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी होने के बाद भी वह कुल 150 रन भी नहीं बना पाये हैं।

इससे उनकी टीम को भी नुकसान हुआ है और उसके लिए प्लेऑफ में जगह बनाना भी असंभव हो गया है। इसी को देखते हुए अब पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा है कि ऋषभ को अपने पुराने फुटेज देखने के साथ ही महेंद्र सिंह धोनी से भी सलाह लेनी चाहिये।

वह साल 2016 से ही आईपीएल खेल रहे हैं पर इस सत्र में वह रनों के लिए तरसते दिख रहे हैं।

वह अबतक 11 पारियों में केवल 128 रन बना पाये हैं। उनका स्ट्राइक रेट भी 99.22 ही है। पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में वह 17 गेंद में केवल 18 रन ही बना पाए। सहवाग ने कहा कि सभी के करियर में कभी-कभी ऐसा समय भी आता है। ऐसे में उन्हें आत्मविश्वास हासिल करने के लिए अपने पुराने आईपीएल क्लिप्स को देखना चाहिए। उन्हें देखना चाहिए कि कहीं उनकी रूटीन में कोई बदलाव तो नहीं आया है।

सहवाग ने कहा, 'मैं समझता हूं कि उन्हें आईपीएल के वे पुराने क्लिप्स देखने चाहिए जब वह काफी बना रहे थे। इससे उनका मनोबल बढ़ेगा। कई बार हम अपने रूटीन को भूल जाते हैं।

ऋषभ को हमने उनकी चोट से पहले जैसा देखा था, अब वह उससे पूरी तरह अलग हैं।' सहवाग ने अपने भी करियर के खराब दौर को याद करते हुए कहा कि कभी-कभी रूटीन में गड़बड़ी होती है तो उसका असर खेल पर पड़ता है।

सहवाग ने कहा, मुझे साल 2006-07 का दौर याद है जब मैं रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहा था। मैं भारतीय टीम से बाहर कर दिया गया था। तब राहुल द्रविड़ ने मुझसे कहा था कि अपना रूटीन चेक करो कि जब खूब रन बना रहे थे, तब रूटीन क्या था और अब क्या है। कभी-कभी रूटीन में गड़बड़ी से भी बल्लेबाजी पर प्रभाव पड़ता है।

सहवाग ने साथ ही कहा कि वह धोनी से भी बात करें। इससे उन्हें लाभ ही होगा क्योंकि धोनी से मिलने वाली सलाह से उनके अंदर की नकारात्मकता कम होगी।

टिम पेन बोले , रबाडा ने डोप जांच की बात छिपाकर गलत किया

सिडनी।

ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान टिम पेन ने डोप जांच में असफल होने की बात छिपाने के लिए दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा की आलोचना की है। पेन ने कहा कि इस मामले की जांच कर रहे अधिकारियों को स्पष्ट रुप से अपनी बात रखनी चाहिये थी। वहीं रबाडा ने इस मामले को लेकर कहा था कि मनोरंजन के लिए इस्तेमाल होने वाली प्रतिबंधित दवा के सेवन के कारण ही उनपर अस्थायी प्रतिबंध लगाया गया है। रबाडा को इसी कारण आईपीएल सत्र के बीच में ही स्वदेश वापस लौटना पड़ा था। रबाडा आईपीएल में गुजरात टाइटंस की ओर से खेल रहे थे पर दो मैच खेलने के बाद ही वह निजी कारणों का हवाला देते हुए आईपीएल छोड़कर चले गये थे। इसको लेकर पेन ने कहा, 'यह अजीब ही बात है। मुझे यह सब पसंद नहीं है। इस तरह से बात छिपानी नहीं चाहिये थी। यह निजी मामला नहीं है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा, 'अगर किसी पेशेवर खिलाड़ी ने टूर्नामेंट के दौरान इस तरह के पदार्थ का सेवन किया होता तो यह निजी मसला नहीं होत। इससे साफ है कि उन्होंने अनुबंध के नियमों को तोड़ा है। वह अपनी मर्जी से कुछ नहीं कर सकते हैं। गौरतलब है कि रबाडा का डोप टेस्ट दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट लीग एसए 20 के दौरान जनवरी में हुआ था। पेन ने कहा, 'चाहे मनोरंजन के लिये हो या प्रदर्शन में सुधार के लिए प्रतिबंधित पदार्थ नहीं लिया जाना चाहिये यह कोई निजी मामल नहीं है जिसे एक महीने तक किसी को भी नहीं बताया जाये। वह बात सार्वजनिक किये बिना आईपीएल से बाहर होकर दक्षिण अफ्रीका वापस लौट गया और प्रतिबंध का एक माह पूरा होने के बाद शायद पास आईपीएल पहुंच जाये जो नहीं होना चाहिये।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ये स्कॉलरशिप करेंगे आपके विदेश अध्ययन का सपना पूरा

ग्लोबल एजुकेशन एक छात्र के जीवन को बदल सकती है, यही वजह है कि हर साल लाखों छात्र विदेशों में पढ़ते हैं। यह उनके लिए नए अवसर और नए आयाम लेकर आता है। इन अवसरों तक पहुंचने के लिए छात्रों को स्कॉलरशिप के रूप में कुछ राशि दी जाती है ताकि वे विदेशों में जाकर पढ़ाई करें और अपने सपने साकार करें। ये स्कॉलरशिप कुछ खास टेस्ट के बाद दिए जाते हैं या मेरिट के आधार पर भी प्रदान किए जाते हैं। आइए इस लेख के माध्यम से जानते हैं कि उन स्कॉलरशिप के विषय में जो छात्रों की मदद करते हैं।

इरास्मस मुंडस ज्वाइंट मास्टर डिग्री

यह एक इंटरनेशनल स्टडीज प्रोग्राम है जो यूरोप और बाकी दुनिया के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए यूरोपियन यूनियन द्वारा बनाया गया है। यह प्रोग्राम कॉलेज में ज्वाइंट मास्टर डिग्री हासिल करने के इच्छुक सभी छात्रों के लिए इरास्मस मुंडस के माध्यम से उपलब्ध है। इरास्मस यूरोप और यूके में दी जाने वाली सबसे बड़ी स्कॉलरशिप है जिसमें ट्रैवल अलाउंस और मासिक भत्ते सहित सभी लागतों को कवर किया जाता है। सितंबर में इस प्रोग्राम के लिए फॉर्म उपलब्ध होते हैं।

ओंटारियो ट्रिलियम

यह हर साल सात व्यक्तियों को दिया जाता है जिन्होंने अपनी मास्टर की पढ़ाई पूरी कर ली है और अपनी अंतिम दो परीक्षाओं में औसतन 80% या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं। ओंटारियो, कनाडा में डॉक्टरेट करने के इच्छुक लोगों के लिए स्कॉलरशिप उपलब्ध हैं। अगस्त और सितंबर माह में इस प्रोग्राम के लिए एप्लीकेशन फॉर्म भरा जा सकता है।

वानियर कनाडा ग्रेजुएट

वानियर कनाडा ग्रेजुएट उन लोगों के लिए उपलब्ध है जो एक कैनेडियन इंस्टीट्यूट से नेशनल साइंस, हेल्थ रिसर्च, इंजीनियरिंग रिसर्च और सोशल साइंस के फील्ड में डॉक्टरेट की डिग्री प्राप्त करना चाहते हैं। जुलाई से नवंबर तक इस प्रोग्राम के लिए एप्लीकेशन फॉर्म उपलब्ध होते हैं।

ऑक्सफोर्ड एंड कैंब्रिज सोसायटी ऑफ इंडिया

सभी शैक्षणिक स्तरों के छात्रों को आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इसका लक्ष्य है ऑक्सफोर्ड या कैमब्रिज जैसे कॉलेजों में आगे की शिक्षा प्राप्त करने में भारतीय छात्रों को फाइनेंशियल सहायता देकर सक्षम बनाना है। छात्र ध्यान दें कि आवेदकों की आयु 30 वर्ष होनी चाहिए और इसके लिए मई महीने में अप्लाई किया जा सकता है।

टाटा स्कॉलरशिप कॉर्नेल यूनिवर्सिटी

जो छात्र बिना फाइनेंशियल दिक्क्तों के कॉर्नेल यूनिवर्सिटी में एडमिशन लेकर पढ़ना चाहते हैं उनके लिए टाटा स्कॉलरशिप फंड डिजाइन किया गया है। छात्रों को ग्रेजुएशन की अवधि के लिए स्कॉलरशिप वार्षिक रूप में दी जाएगी। इस प्रोग्राम के लिए छात्र अक्टूबर-नवंबर की महीने में अप्लाई कर सकते हैं।

आईएएस-आईपीएस बनने के लिए कितनी देर पढ़ना जरूरी? एग्जाम क्लियर करने की महत्वपूर्ण टिप्स

सिविल सेवा परीक्षा देश की सबसे कठिन परीक्षा है। हर साल हजारों उम्मीदवार परीक्षा को पास करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। इसके लिए केवल तैयारी की आवश्यकता नहीं होती है। इस परीक्षा के लिए तैयारी के साथ-साथ सही रणनीति की भी जरूरत होती है।

संघ लोक सेवा आयोग हर साल कई सरकारी विभागों के पदों पर भर्तियां करता है। सिविल सेवा परीक्षा देश की सबसे कठिन परीक्षा है। इसके लिए केवल तैयारी की आवश्यकता नहीं होती है। इस परीक्षा के लिए तैयारी के साथ-साथ सही रणनीति की भी जरूरत होती है। एक अच्छी रणनीति परीक्षा में आपकी सफलता निश्चित कर सकती है। सिविल सेवा परीक्षा में 3 चरण होते हैं : प्रारंभिक परीक्षा (उद्देश्य), मुख्य परीक्षा (लिखित) और साक्षात्कार (व्यक्तित्व परीक्षण)। हर साल, हजारों उम्मीदवार परीक्षा को पास करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं।

6 से 7 घंटे पढ़ाई करें

अगर आप नौकरी करते हैं तो ऐसे में दिनभर की थकान की वजह से एक साथ 5 से 6 घंटे पढ़ पाना मुश्किल होता है। ऐसे में यूपीएससी की तैयारी के लिए पढ़ाई को दो हिस्सों में बांट लें। आप सुबह 2 से 3 घंटे पढ़ाई करें और बाकी पढ़ाई शाम को पूरी करें।

पढ़ाई के बीच ब्रेक लेना जरूरी

पढ़ाई के बीच में ब्रेक लेना जरूरी होता है। फिर 25 मिनट की पढ़ाई के बाद आपको पांच मिनट का ब्रेक लेना चाहिए। इससे आपको थकान नहीं होगी और ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलेगी। वीकेंड पर आप 8 से 10 घंटे तक पढ़ सकते हैं।

ऑफिस और पर्सनल टाइम के बीच बैलेंस

अगर आप यूपीएससी की तैयारी करना चाहते हैं तो इसके लिए आपको नौकरी छोड़ने की जरूरत नहीं है। आपको बस अपने ऑफिस और पर्सनल टाइम के बीच बैलेंस बनाना होगा। इससे आप नौकरी के साथ यूपीएससी की अच्छी तैयारी कर सकेंगे।

9 से 10 महीने का प्लान बनाएं

यूपीएससी प्रीलिम्स परीक्षा की तैयारी के लिए आपको कम से कम 9 से 10 महीने का प्लान बनाना होगा। इस दौरान आप अपने मुख्य विषयों जैसे इतिहास, राजनीति और अर्थशास्त्र को मजबूत करने पर ध्यान दें। पहले की छह महीनों के लिए प्रीलिम्स और मेंस दोनों परीक्षाओं को ध्यान में रखकर पढ़ाई करें।

पैटर्न का अध्ययन करें

उम्मीदवारों को पिछले वर्षों के प्रश्न पत्रों को जरूर देखना चाहिए। यह प्रश्नों के प्रकार को निर्धारित करने में मदद करता है, और तैयारी के लिए उपयुक्त स्टडी मटेरियल चुनने में मदद करता है। पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों के विश्लेषण से पाठ्यक्रम को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलती है और उन क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिलती है जिनसे अधिक प्रश्न पूछे गए हैं। उम्मीदवारों के लिए अभ्यास परीक्षण काम में आते हैं। ये परीक्षण न केवल मुख्य परीक्षा की तैयारी में सभी उम्मीदवारों की मदद करते हैं, बल्कि टाइम मैनेजमेंट सीखने में भी मदद करते हैं। दैनिक आधार पर लिखने का अभ्यास करें। एक अखबार या पाठ्यक्रम के एक विषय से एक संपादकीय उठाएं, और उस पर एक प्रश्न फ्रेम करें और उसका उत्तर लिखें।

क्या जल्दी-जल्दी नौकरियां बदलना है सही? क्या हो सकते हैं फायदे और नुकसान

क्या आप बहुत जल्दी-जल्दी नौकरियां बदल रहे हैं या बदले की चाह रखते हैं तो यह जान लीजिए कि इससे कंपनी को आपकी कुछ आदतों के विषय में पता चलता है। ऐसा करने से कंपनी को लगता है कि आप अच्छी सैलरी और पॉजिशन की चाह रखते हैं या नौकरी को लेकर आप गंभीर नहीं हैं। हालांकि इसमें कोई दो राय नहीं कि डेवलपमेंट के लिए सभी जगहों के कार्य का एक्सपीरियंस होना बेहद जरूरी है। किसी भी करियर में एक अवधि ऐसी भी होनी चाहिए जहां आप खुद को जांच सकें कि अगर आपको मदद करने वाला वातावरण मिले, तो आपका प्रदर्शन कैसा होगा। कंपनी किसी को भी हायर करने से पहले कुछ खास संकेतों का ध्यान रखती है जिसपर आपका करियर निर्भर कर सकता है। नीचे उन संकेतों के उदाहरण दिए गए हैं-

- एक कर्मचारी काम के दौरान लिए गए गलत निर्णयों के आधार पर या काम से बचने के लिए भी बार-बार जॉब बदल सकते हैं। अक्सर ऐसा होता है कि बड़े लेवल पर कोई निर्णय लेने में समय लगता है। उस निर्णय के आने तक कर्मचारी कंपनी में रूकेगा।
- अगर कंपनी छोड़ने वाले के पास कोई बड़ा कारण न हो तो बार-बार चेंज करने पर कंपनी यह सोचती है कि वह एक ऐसा कर्मचारी है जिस पर पूरी तरह से निर्भर नहीं हुआ जा सकता है।
- इंडस्ट्री के एक्सपर्ट मानते हैं कि करियर में ब्रेक लेना पॉजिटिव है लेकिन केवल सैलरी और अच्छी पोजीशन इसके पीछे कारण न हो।
- इसके साथ ही शॉर्ट कॉन्ट्रैक्ट के पूरा हो जाने, ट्रेवलिंग, खुद का काम आदि जैसे कार्यों को पूरा करने के लिए करियर में ब्रेक लेना हो तो यह पॉजिटिव रूप में कार्य करेगा।
- चयन करते समय कंपनी ध्यान देती है कि अगर उम्मीदवार किसी भी तरीके से पिछली कंपनी के बारे में नेगेटिव बातें करता है तो यह भी आपकी छवि को कम करने का कार्य करता है।

साइकोलॉजी पढ़ने वाले छात्र इन क्षेत्रों में बना सकते हैं करियर

साइकोलॉजी विविध दृष्टिकोणों से मानव व्यवहार और मानसिक प्रक्रियाओं का अध्ययन करता है। यह मानवीय धारणा, सीखने, भावनाओं और स्थितियों की प्रतिक्रियाओं को समझने के लिए साइंटिफिक तरीकों का इस्तेमाल करता है। एक साइकोलॉजिस्ट के रूप में विभिन्न क्षेत्रों में भविष्य बनाया जा सकता है, जिसमें क्लिनिकल साइकोलॉजी, इंडस्ट्रियल साइकोलॉजी और ऑर्गेनाइजेशन बिहेवियर, स्कूल साइकोलॉजी, फोरेंसिक साइकोलॉजी, स्पोर्ट्स साइकोलॉजी, रिहैबिलिटेशन, कॉग्निटिव न्यूरोसाइंस और कई अन्य शामिल हैं। इसके अलावा, इन सभी क्षेत्रों में शिक्षण और अनुसंधान साइकोलॉजी के छात्रों के लिए एक नई ऊर्जा के रूप में हो सकती है। आइए जानते हैं कैसे और किन क्षेत्रों में बनाया जा सकता है करियर। नीचे दिए गए शैक्षिक योग्यताओं के साथ साइकोलॉजिस्ट बना जा सकता है.

- एक विषय के रूप में साइकोलॉजी के साथ या उसके बिना 10+2 स्तर।
- साइकोलॉजी ऑनर्स में ग्रेजुएशन डिग्री।
- नैदानिक मनोविज्ञान/औद्योगिक मनोविज्ञान और संगठनात्मक व्यवहार/ स्कूल या शिक्षा मनोविज्ञान/ स्वास्थ्य मनोविज्ञान/ संज्ञानात्मक मनोविज्ञान/ सामाजिक मनोविज्ञान/ प्रायोगिक मनोविज्ञान में विशेषज्ञता के साथ मनोविज्ञान में पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री।

- साइकोलॉजी के विशिष्ट क्षेत्रों में ऑप्शनल पीजी डिप्लोमा कोर्स।
- क्लिनिकल साइकोलॉजी में ऑप्शनल एमफिल डिग्री।
- साइकोलॉजी के एक विशेष क्षेत्र में डॉक्टरेट की डिग्री।

साइकोलॉजी के क्षेत्रों में करियर और रोजगार के अवसर

- **क्लिनिकल साइकोलॉजी / रिहैबिलिटेशन एंड काउंसलिंग साइकोलॉजी**
  सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों, गैर सरकारी संगठनों, प्राइवेट क्लीनिकों, फ्रीलांसरों में लाइसेंस प्राप्त क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट के रूप में काम किया जा सकता है।
- **इंडस्ट्रियल साइकोलॉजी एंड ऑर्गेनाइजेशन बिहेवियर**
  साइकोलॉजिस्ट, संगठनों में सलाहकार, चयन और भर्ती के रूप में कार्य किया जा सकता है।
- **फोरेंसिक साइकोलॉजी**
  इस क्षेत्र के लोग पुलिस विभागों, अपराध शाखाओं, रक्षा/सेना, कानूनी फर्मों, जांच ब्यूरो आदि में सलाहकार के रूप में कार्य कर सकते हैं।
- **स्कूल साइकोलॉजी**
  पब्लिक और प्राइवेट स्कूलों, विश्वविद्यालयों, मानसिक स्वास्थ्य केंद्रों, समुदाय-आधारित उपचार केंद्रों, आवासीय क्लीनिकों और अस्पतालों, किशोर न्याय कार्यक्रमों और निजी क्लीनिकों में स्कूल साइकोलॉजिस्ट के रूप में काम करें।
- **खेल साइकोलॉजी**
  स्कूल / कॉलेज / विश्वविद्यालय की खेल टीमों, पेशेवर टीमों, खेल पुनर्वास विशेषज्ञ, खेल अनुसंधान विशेषज्ञ और सलाहकारों के लिए खेल साइकोलॉजी के रूप में काम करें।
- **साइकोमेट्री**
  सरकारी और प्राइवेट संगठनों, सलाहकार और शोधकर्ता के लिए एक पेशेवर टेस्ट डेवलपर और साइकोमेट्रिकियन के रूप में काम करें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टैरिफ और दुनिया में जारी तनाव से बढ़ी व्यापार अनिश्चितता, मूडीज ने जारी किया अनुमान

भारत सहित पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था होगी डांवाडोल

नई दिल्ली।

इस साल भारत सहित दुनिया के लगभग सभी बड़े देशों की अर्थव्यवस्था पर संकट के बाद मंडरा रहे हैं। रेटिंग एजेंसी मूडीज ने साल 2025 के लिए जो अनुमान जारी किया है वह चिंताजनक है। मूडीज के अनुमान के अनुसार, इस साल भारत सहित पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था डांवाडोल होगी। यानी पूर्व में जो अनुमान किए गए हैं वे फेल हो सकते है। दरअसल, अमेरिका द्वारा दुनिया के विभिन्न देशों पर लगाए गए टैरिफ से वैश्विक स्तर पर व्यापार अनिश्चितता का माहौल है। इसका असर भारत की वृद्धि दर पर भी पडने की आशंका है। यही वजह है कि रेटिंग एजेंसी मूडीज ने साल 2025 के लिए भारत की विकास दर के अनुमान को घटाकर 6.3 प्रतिशत कर दिया है। मूडीज ने पहले अनुमान जताया था कि 2025 में भारत की जीडीपी 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी।

मूडीज ने अपने वैश्विक मैक्रो आउटलुक 2025-26 में मई अपडेट में बताया है कि भूराजनैतिक परिस्थितियों जैसे भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव से भी भारत की विकास दर पर असर पडने की आशंका है।

इससे निवेश और उद्योगों पर असर आएगा। हालांकि मूडीज ने साल 2025 के लिए भले ही विकास दर में कटौती का अनुमान जताया है, लेकिन साल 2026 में भारत की जीडीपी 6.5 प्रतिशत ही रहने की संभावना जताई है। साल 2024 में भारत की विकास दर 6.7 प्रतिशत रही थी।

मूडीज ने उम्मीद जताई है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया विकास को बढ़ावा देने के लिए बेंचमार्क नीतिगत दरों को कम करेगा। अमेरिका चीन की वृद्धि दर का अनुमान भी घटाया मूडीज ने कहा है कि दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में जारी टैरिफ युद्ध के असर से पूरी दुनिया में व्यापार और निवेश पर असर आएगा। इसके चलते वैश्विक विकास दर इस साल धीमी रहने का अनुमान है। मूडीज ने अमेरिका के जीडीपी वृद्धि अनुमान को भी कम किया है। मूडीज के तहत 2025 में अमेरिका की वृद्धि दर एक प्रतिशत रह सकती है, जिसके पहले दो प्रतिशत रहने का अनुमान था। वहीं अगले साल अमेरिका की अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 1.5 प्रतिशत रह सकती है, जिसके लिए पहले 1.8 प्रतिशत का अनुमान था। चीन की अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 2025 में 3.8 प्रतिशत और 2026 में 3.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह 2024 में पांच प्रतिशत के मुकाबले काफी कम है।

पंजाब के जंगलों में आतंकियों ने छिपाई विस्फोटक सामग्री, पुलिस ने की बरामद

डीजीपी ने कहा- स्लीपर सेल को सक्रिय करने आईएसआई ने बनाई योजना

अमृतसर।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पंजाब के शहीद भगत सिंह नगर के जंगलों में पुलिस ने 2 आरपीजी, 2 आईईडी, 5 हैंड ग्रेनेड और एक वायरलेस कम्युनिकेशन सेट बरामद किया है। खुफिया इनपुट के बाद अमृतसर की स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल केंद्रीय एजेंसी के साथ तिब्बा नंगल-कुलार रोड के पास बने जंगल में पहुंची। सर्च ऑपरेशन में टीम को विस्फोटक सामग्री मिली। पंजाब के डीजीपी ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा- शुरुआती जांच में संकेत मिले हैं कि पाकिस्तान की आईएसआई और उससे जुड़े आतंकी संगठनों ने पंजाब में छिपे अपने स्लीपर सेल को दोबारा सक्रिय करने की योजना बनाई थी। विस्फोटक सामग्री की बरामदगी इसी साजिश का हिस्सा है। आतंकियों ने ये सामग्री भविष्य में आतंकी घटनाओं के लिए छिपाकर रखी थी। इसे लेकर मामला दर्ज कर लिया है। जल्द आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वहीं सोमवार को गुरदासपुर में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बीएसएफ ने एक पाकिस्तानी नागरिक को हिरासत में लिया है। उसके पास पाकिस्तानी आईडी कार्ड भी मिला है। आईकार्ड पर युवक का नाम हुसनैन लिखा है। वह पाकिस्तान में गुजरांवाला का रहने वाला है। पूछताछ में उसने बताया कि वह अनजाने में भारतीय सीमा में आ गया। बीएसएफ को उससे कोई आपत्तिजनक वस्तु नहीं मिली है। बीएसएफ ने उसको पंजाब पुलिस के हवाले कर दिया है। पुलिस जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है, ताकि किसी संभावित साजिश या सुरक्षा चूक की आशंका की गंभीरता से जांच की जा सके।

सीजेआई संजीव खन्ना ने 406 जजों की सिफारिश की

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने भी रिटायरमेंट से पहले उन 406 नामों की लिस्ट भी जारी कर दी है जो कोलेजियम के लिए केन्द्र सरकार को भेजे थे। इसमें से 221 उम्मीदवारों को केन्द्र सरकार ने मंजूरी दे दी है और बाकी या तो वेटिंग लिस्ट में हैं या फिर उन उम्मीदवारों के नाम को खारिज कर दिया है। सीजेआई संजीव खन्ना ने जिन उम्मीदवारों के नाम को कोलेजियम के लिए भेजा उसमें कितने एससी, कितने एसटी और कितने ओबीसी थे। भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने अपनी रिटायरमेंट से एक हफ्ते पहले सोमवार को सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम की हाईकोर्ट के न्यायाधीशों की नियुक्तियों के लिए की गई सिफारिशों का डिटेल को पब्लिक कर दिया है। इसमें 9 नवंबर 2022 से 5 मई इस साल तक की सभी सिफारिशों को शामिल किया है जिसमें जाति, लिंग और क्या उम्मीदवार किसी मौजूदा या सेवानिवृत्त हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट के जजों के रिश्तेदार या परिवार से है।

सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर जारी जानकारी के अनुसार, कोलेजियम द्वारा सरकार को सिफारिश किए गए 406 उम्मीदवारों में से 221 को सरकार ने मंजूरी दी है, जबकि बाकी नाम या तो वेटिंग लिस्ट में है या उन्हें खारिज कर दिया गया है।

डेटा से पता चलता है कि 406 में से केवल 34 महिलाएं थीं। केवल आठ उम्मीदवार अनुसूचित जाति से थे। 7 अनुसूचित जनजाति से थे। 32 उम्मीदवार अन्य पिछड़ा वर्ग से थे। 7 पिछड़ा/अत्यंत पिछड़ा वर्ग से थे और 14 उम्मीदवार मौजूदा या रिटायर जजों से संबंधित थे। नियुक्तियों पर अतिरिक्त डेटा का खुलासा करने का निर्णय सभी 31 सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों द्वारा अपनी संपत्ति सार्वजनिक रूप से घोषित करने के एक महीने बाद आया है। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना 14 मई को रिटायर हो रहे हैं।

भारत और रूस के मजबूत संबंध नेहरू और इंदिरा की देन, इसलिए आज भी रूस है भारत के साथ खड़ा

कांग्रेस नेता श्रीनेत ने कहा- यह देश की पिछली सरकार की विदेशी नीति का नतीजा

नई दिल्ली।

कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा पीएम नरेन्द्र मोदी को फोन करने के बाद भारत के रूस के साथ घनिष्ठ संबंधों की नींव रखने का श्रेय पूर्व प्रधानमंत्रियों पंडित जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी को दिया है। श्रीनेत ने कहा कि आज रूस भारत के साथ खड़ा है और यह हर सरकार द्वारा अपनाई गई विदेश नीति का नतीजा है और इसकी नींव पंडित नेहरू ने रखी थी। आज भारत के रूस के साथ अच्छे संबंध हैं और यह पंडित नेहरू और इंदिरा गांधी की ही देन है। श्रीनेत ने क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं और मौजूदा तनाव को राष्ट्रीय सीमाओं से परे एक व्यापक लड़ाई बताया। उन्होंने कहा कि यह भारत और पाकिस्तान से ज़्यादा मानवता और अमानवीयता की लड़ाई है। पाकिस्तान भारत विरोधी ताकतों को संरक्षण देता रहता है। पीएम मोदी को ऐसी ताकतों को मुंहतोड़ जवाब देना चाहिए। बता दें सोमवार को रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने पीएम मोदी से बात की थी। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि उन्होंने पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को पूरा समर्थन देने की बात कही है। पुतिन ने इस बात पर जोर दिया कि इस जघन्य हमले के दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने भारत-रूस विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। पीएम मोदी ने पुतिन को विजय दिवस की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर शुभकामनाएं दीं और उन्हें भारत में आयोजित होने वाले 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया।

नदी सफाई प्रोजेक्ट में करोड़ों का घोटाला, मुंबई में कई स्थानों पर छापेमारी

ठेकेदारों और बीएमसी अफसरों के घर-दफ्तर से कई अहम दस्तावेज बरामद

मुंबई।

मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने सोमवार को मुंबई नदी सफाई प्रोजेक्ट में हुए 55 करोड़ के भ्रष्टाचार के घोटाले में पहली एफआईआर दर्ज की है। एसआईटी की सिफारिशों पर इस योजना में धोखाधड़ी और अनियमितताओं की जांच कर रही थी। एफआईआर में पांच ठेकेदारों और तीन बीएमसी अफसरों को नामजद किया गया है, जिन पर फर्जी समझौते पर हस्ताक्षर करने और फंड में बड़ी गड़बड़ियों को अंजाम देने का आरोप है। मंगलवार सुबह मुंबई के 8-9 स्थानों पर छापे मारे गए। इनमें आरोपी ठेकेदारों और बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के अफसरों के दफ्तरों और आवासीय परिसर शामिल है। सूत्रों के मुताबिक कई अहम दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य जब्त किए गए हैं।

छापे मारी में भुगतान रजिस्टर में गड़बड़ी और कार्यों के बिना निरीक्षण भुगतान। नदी सफाई के लिए फर्जी कंपनियों के जरिए ठेके जारी करना। काम पूरा होने से पहले बड़ी रकम का अग्रिम भुगतान के सबूत मिल हैं।

बीएमसी ने कहा है कि वह इस मामले में शून्य सहनशीलता की नीति अपनाएगी और जो भी दोषी पाया जाएगा उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं, मामले को लेकर मुंबई हाईकोर्ट में जनहित याचिका भी दायर की जा चुकी है।

बता दें मुंबई नदी सफाई प्रोजेक्ट का उद्देश्य शहर की मीठी, पोइसर और दहिसर नदियों की सफाई कर उन्हें पुनर्जीवन देना है, लेकिन इसके कार्यान्वयन को लेकर पिछले कुछ समय से पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं। यह घोटाला न केवल वित्तीय अनियमितताओं को उजागर करता है, बल्कि प्रदूषण नियंत्रण और पर्यावरणीय परियोजनाओं की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करता है।

दिल्ली में बैठक में हुआ फैसला, 7 मई को देश के अधिकांश जिलों में होगी मॉक ड्रिल

नागरिकों को हमले से बचाने की दी जाएगी ट्रेनिंग, चेतावनी वाले बजेंगे सायरन

नई दिल्ली।

सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल को लेकर गृह मंत्रालय में हाईलेवल बैठक की। केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन की अध्यक्षता में बैठक में राज्यों के मुख्य सचिव, सिविल डिफेंस चीफ समेत कई हाई रैंक ऑफिसर शामिल हुए। केंद्र सरकार ने 7 मई यानी बुधवार को देश के अधिकांश जिलों में मॉक ड्रिल कराने का फैसला है। इसमें नागरिकों को हमले के दौरान खुद को बचाने की ट्रेनिंग दी जाएगी। हवाई हमले की चेतावनी देने वाले सायरन बजाए जाएंगे। पाकिस्तान से युद्ध की आशंकाओं के बीच भारत को रूस से जंगी जहाज तमल भी मिल जाएगा। रूस 28 मई को इसे भारतीय नौसेना को सौंपेगा। यह जंगी जहाज ब्रह्मोस मिसाइल से लैस होगा, जो रडार की पकड़ में भी नहीं आएगा। इधर पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने दावा किया कि भारत एलओसी पर किसी भी समय सैन्य कार्रवाई कर सकता है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी राजनीतिक

फायदे के लिए क्षेत्र को परमाणु युद्ध के कगार पर धकेल रहे हैं। भारत-पाकिस्तान के बीच पहलगाम हमले के बाद तनाव बढ़ता जा रहा है। इस हमले में 28 टूरिस्ट मारे गए थे। देश में पिछली बार ऐसी मॉक ड्रिल 1971 में हुई थी। तब भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध हुआ था। यह मॉक ड्रिल युद्ध के दौरान हुई थी। हालांकि रविवार-सोमवार रात पंजाब के फिरोजपुर छावनी में ब्लैकआउट प्रैक्टिस की गई। इस दौरान गांवों और मोहल्लों में रात 9 बजे से 9:30 बजे तक बिजली बंद रही।

पहलगाम आतंकी हमला राजनीतिक रूप से किया गया या नहीं, यह स्पष्ट नहीं

सपा नेता ने दिया विवादित बयान, बीजेपी बोली- ये पाकिस्तान को दे रहे क्लीन चिट

लखनऊ।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में संभावित हमले की चर्चा के बीच समाजवादी पार्टी के नेता लालबिहारी यादव ने पहलगाम हमले के लिए खुफिया विफलता पर सवाल उठा दिया है जिससे विवाद खड़ा हो गया। उन्होंने कहा कि यह अभी भी साफ नहीं हो सका है कि आतंकवादी हमला राजनीतिक रूप से किया गया या नहीं।

बता दें वाराणसी में पत्रकारों से बात करते हुए यूपी विधान परिषद में विपक्ष के नेता ने बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि 2019 का पुलवामा आतंकी हमला आतंकवादियों द्वारा किया गया था या हमारे अपने लोगों द्वारा, यह अभी भी संदेह का विषय है। इसी तरह पहलगाम आतंकी हमला राजनीतिक रूप से किया गया था या नहीं, यह भी अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। बीजेपी ने लालबिहारी यादव और विपक्षी नेताओं की आलोचना करते हुए कहा कि वह अपनी भाषा के बजाय पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं।

बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि विपक्ष अपने बयानों से पाकिस्तान को क्लीन चिट देकर सुरक्षा बलों का मनोबल गिराने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि सर्वदलीय बैठक के बाद एक-एक करके कांग्रेस, आरजेडी और अब सपा नेता पाकिस्तान को क्लीन चिट दे रहे हैं। सपा नेता कह रहे हैं कि पहलगाम हमला राजनीतिक रूप से किया गया था। इसका मतलब है कि उन्होंने पाकिस्तान को क्लीन चिट दे दी है और वे सुरक्षा बलों का मनोबल गिराने की कोशिश कर रहे हैं।

बीजेपी नेता ने दावा किया कि सपा के रामगोपाल यादव ने कहा था कि पुलवामा हमला वोट के लिए किया गया। इंडिया गठबंधन और पाकिस्तान दो अलग-अलग शरीर और एक आत्मा की तरह हैं। यूपीप के उपमुख्यमंत्री केपी मौर्य ने कहा कि मैं समझ नहीं पा रहा हूं कि कांग्रेस और सपा को कौन सी बीमारी हो गई है...अगर समाजवादी पार्टी का कोई नेता

ऐसी बातें कहता है, तो मैं यही कह सकता हूं कि वह अपना मानसिक संतुलन खो बैठा है।

वहीं यूपी के मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने कहा कि आपने सपा के कार्यकाल में प्रशासन देखा है। गुंडागर्दी, भ्रष्टाचार और लूट थी। आज बीजेपी पिछले आठ सालों से सत्ता में है और राज्य में कानून-व्यवस्था के साथ-साथ शांतिपूर्ण माहौल है...पूरा देश पाकिस्तान के खिलाफ है।

जातीय पक्षपात पर सुप्रीम कोर्ट का कड़ा फैसला

छोटी जाति के जज की बर्खास्तगी से नाराज हुआ सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली।

न्यायपालिका में उपेक्षित समुदाय के जजों को भी उत्पीड़न का शिकार होना पड़ता है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सूर्यकांत की खंड पीठ ने पंजाब के एडिशनल सेशन जज की बर्खास्तगी के मामले में सुनवाई के दौरान कहा, जज को भी जातिगत पक्षपात का शिकार होना पड़ा। ऊंचे समुदाय के लोग उसे बर्दाश्त नहीं कर पा रहे थे। झूठे आरोप में उसे बर्खास्त कर दिया गया। सुप्रीम कोर्ट ने जज की बर्खास्तगी को गलत मानते हुए जज को बहाल करने के आदेश दिए हैं। बरनाला के प्रेम कुमार 26 अप्रैल 2014 को एडिशनल जिला एवं सत्र न्यायाधीश बने। उन्हें अमृतसर जिला कोर्ट में नियुक्त किया गया। इस दौरान दुष्कर्म के आरोप की शिकायत हाईकोर्ट में की गई। जब प्रेम कुमार वकालत करते थे। उसे वक्त उन्होंने दुष्कर्म पीड़ता की ओर से समझौते के लिए संपर्क कर पीड़ता को 1।50 लाख का मुआवजा दिलवाया था। इसकी शिकायत के आधार पर जज प्रेम कुमार की हाई कोर्ट द्वारा जांच कराई गई। उनकी ईमानदारी को संदिग्ध मानते हुए 2022 में पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट की फुल बेंच ने शिकायत के आधार पर प्रेम कुमार को बर्खास्त कर दिया था। यह मामला सुप्रीम कोर्ट में अपील में आया था। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अपने निर्णय उनकी

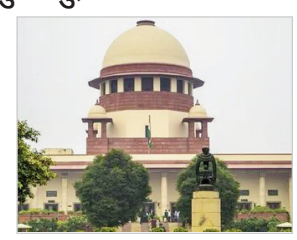

बर्खास्तगी को गलत बताते हुए जज की बहाली करने के आदेश दिए। सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की। ऊंचे समुदाय के लोग उपेक्षित समुदाय के लोगों को बर्दाश्त नहीं कर पाते हैं।

देश में जब एक जज के साथ इस तरह का भेदभाव किया जा रहा है। इससे समझा जा सकता है,कि आज भी देश में उपेक्षित वर्ग का किस तरह से उत्पीड़न किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

सरकार चाहती है सीबीआई निदेशक सूद का कार्यकाल बढ़े, राहुल गांधी सहमत नहीं

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार वर्तमान में सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद के कार्यकाल को आगे बढ़ाने पर विचार कर रही है। यह कदम बिना किसी विरोध के नहीं रहा, क्योंकि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रस्तावित विस्तार का विरोध करते हुए औपचारिक रूप से असहमति पत्र पेश किया है। इससे पहले सोमवार को पीएम नरेंद्र मोदी ने सीबीआई निदेशक की नियुक्ति के लिए जिम्मेदार समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में राहुल गांधी और भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना भी शामिल हुए। शाम को पीएमओ में हुई बैठक में कई नामों पर चर्चा हुई, लेकिन सरकार ने मौजूदा निदेशक के लिए एक साल का विस्तार देने पर जोर दिया। यह बैठक मौजूदा सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद के दो साल का कार्यकाल 25 मई को पूरा होने से कुछ दिन पहले हुई। 1986 बैच के कर्नाटक कैडर के आईपीएस अधिकारी प्रवीण सूद अपनी नियुक्ति से पहले दक्षिणी राज्य के डीजीपी थे। उन्होंने 25 मई, 2023 को सीबीआई के निदेशक का पदभार संभाला था। सीबीआई निदेशक की नियुक्ति केंद्र द्वारा तीन सदस्यीय समिति की सिफारिश पर की जाती है। इस समिति की अध्यक्षता प्रधानमंत्री करते हैं और इसमें लोकसभा में विपक्ष के नेता और भारत के प्रधान न्यायाधीश शामिल होते हैं।

तनाव के बीच एलओसी पर पकड़ाया पाकिस्तानी युवक, सेना ने बढ़ाई चौकसी

श्रीनगर।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ सेक्टर में एलओसी से एक पाकिस्तानी नागरिक को सुरक्षा बलों ने हिरासत में लिया है। मीडिया रिपोर्ट में एक सेना के अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच भारतीय सेना ने एलओसी पर चौकसी बढ़ा दी है। सुरक्षा बलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है, संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ा दी गई है और सैनिकों की तैनाती की गई है। इससे पहले रविवार रात को बीएसएफ ने पंजाब के गुरदासपुर जिले में अवैध रूप से भारतीय क्षेत्र में घुसने के बाद एक 24 साल के पाकिस्तानी युवक को हिरासत में लिया था, जिसकी बाद में पहचान पाकिस्तान के गुजरांवाला के हुसैन के रूप में हुई। अधिकारियों ने कहा कि युवक के पास से पाकिस्तानी मुद्रा और एक राष्ट्रीय पहचान पत्र बरामद किया गया है। उसे शुरुआती पूछताछ के लिए सीमा चौकी पर लाया गया और आगे की जांच अभी चल रही है।

बीजेपी प्रभारी अब प्रवासी बिहारियों से संपर्क कर वोट डालने की करेंगे अपील

पटना।

एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान के तहत पटना स्थित प्रदेश कार्यालय में पार्टी की बैठक हुई। बीजेपी के राष्ट्रीय महामंत्रियों, प्रदेश प्रवक्ता और पदाधिकारी के साथ आगामी चुनाव को लेकर रणनीति तैयार की जा रही है। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग और दुष्यंत गौतम ने की। प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल भी बैठक में मौजूद रहे। बीजेपी ने अब तक पूरे देश में 150 जिलों में प्रभारी नियुक्त किए हैं। इस बैठक में यह फैसला लिया गया कि सभी 150 जिलों के प्रभारी को अपने क्षेत्र में भेजा जाएगा। वहां रह रहे प्रवासी बिहारियों से सभी प्रभारी सीधा संवाद करेंगे। उनका उद्देश्य भावनात्मक जुड़ाव बनाना और उन्हें बिहार आकर मतदान करने के लिए प्रेरित करना होगा।

भारत ने किया पानी के नीचे 'नौसैनिक सुरंग' का सफल परीक्षण

नई दिल्ली।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान में बढ़ते तनाव के बीच रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारतीय नौसेना ने स्वदेशी मल्टी-इन्फ्लुएंस ग्राउंड माइन की लड़ाकू फायरिंग को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। एमआईजीएम, एक उन्नत अंडरवाटर नेवल माइन है, जिसे विशाखापत्तनम में नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला द्वारा पुणे में डीआरडीओ की उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला और चंडीगढ़ में टर्मिनल बैलिस्टिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला के सहयोग से विकसित किया गया था। भारत ने आधुनिक जंगी जहाजों और पनडुब्बियों के खिलाफ अपनी नौसेना की क्षमताओं को बढ़ाने डिजाइन की गई पानी के नीचे 'नौसैनिक सुरंग' का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि डीआरडीओ और भारतीय नौसेना ने स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित 'मल्टी-इंफ्लुएंस ग्राउंड माइन का सफल परीक्षण किया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

पेरू की सोने की खदान से अपहृत 13 श्रमिक मृत पाए गए

लीमा, एजेंसी। पेरू में सोने की प्रमुख खदान से करीब एक सप्ताह पहले अपहृत किए गए 13 सुरक्षा गार्ड के शव रविवार को बरामद किए गए। उनकी मौत ऐसे समय में हुई है, जब दक्षिण अमेरिकी देश के महत्वपूर्ण खनन उद्योग में हिंसा बढ़ गई है। पेरू के गृह मंत्रालय ने यह जानकारी दी। सोने की खदान, ला पोडेरोसा की ओर से कहा गया कि खोज और बचाव दल ने रविवार को खदान में कर्मचारियों के शव बरामद किए। कंपनी ने उनके अपहरण का आरोप अनौपचारिक खनन कर्मियों पर लगाया, जो कथित तौर पर आपराधिक गिरोहों से जुड़े थे। आरोप है कि इन खनन कर्मियों ने 26 अप्रैल को सोने की खदान पर घात लगाकर हमला किया था। पेरू के आंतरिक मंत्रालय ने कहा कि उसने इन जघन्य अपराधों के लिए जिम्मेदार लोगों का पता लगाने और उन्हें पकड़ने के लिए विशेष पुलिस बल तैनात किया है। पेरू की राजधानी लीमा स्थित निजी कंपनी ला पोडेरोसा ने कहा कि पेरू के सुदूर उत्तर-पश्चिमी शहर पाटाज़ में खदान पर नियंत्रण के लिए लड़ रहे आपराधिक समूहों ने 1980 में कंपनी के परिचालन शुरू करने के बाद से अब तक कंपनी के 39 श्रमिकों की हत्या कर दी है, जिनमें वर्तमान में मारे गए 13 श्रमिक भी शामिल हैं। दिसंबर 2023 में अवैध खनिकों ने इसी पोडेरोसा खदान पर विस्फोटकों से हमला किया, जिसमें नौ लोग मारे गए और 15 घायल हो गए। हमलों के मद्देनजर जवाब में ला पोडेरोसा ने अधिक संख्या सुरक्षा गार्ड भेजे।

अब ट्रंप की देश के बाहर बनी फिल्म पर 100 प्रतिशत का शुल्क लगाने की धमकी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अब देश के बाहर बनी फिल्म (मूवी) पर 100 प्रतिशत का शुल्क लगाने की धमकी दी है। ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ' पर रविवार रात को एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने वाणिज्य विभाग और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय को हमारे देश में आने वाली विदेशी जमीन में बनी किसी भी फिल्म पर 100 प्रतिशत का शुल्क लगाने के लिए अधिकृत किया है। उन्होंने लिखा, अमेरिका में फिल्म उद्योग बहुत तेजी से मर रहा है। उन्होंने कहा कि अन्य देश फिल्म निर्माताओं और स्टूडियो को अमेरिका से दूर करने के लिए सभी प्रकार के प्रोत्साहन दे रहे हैं। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि इस तरह के अंतरराष्ट्रीय निर्माण पर इस तरह का कोई शुल्क कैसे लगाया जा सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने दो अप्रैल को भारत और चीन सहित कई देशों पर व्यापक पारस्परिक टैरिफ लगाने की घोषणा की। इसके बाद नौ अप्रैल को ट्रंप चीन और हॉन्गकॉन्ग को छोड़कर नौ जुलाई तक टैरिफ को 90 दिनों के लिए निलंबित करने की घोषणा की थी। क्योंकि लगभग 75 देशों ने व्यापार सौदों के लिए अमेरिका से संपर्क किया था। हालांकि इन देशों पर लगाया गया 10 प्रतिशत का बेसलाइन टैरिफ अभी भी प्रभावी है। इसके अलावा स्टील, एल्युमीनियम और ऑटो कलपुर्जों पर 25 प्रतिशत शुल्क भी लागू है।

पाकिस्तान के 12 सैन्य अफसर ट्रेनिंग के लिए पहुंचे नेपाल

काठमांडू, एजेंसी। पाकिस्तान की सेना के 12 अधिकारी 12 दिवसीय सैन्य प्रशिक्षण के लिए काठमांडू पहुंचे हैं। भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद जारी तनाव के बीच यह घटना सामने आई है। नेपाली सेना के माउंटेन वारफेयर कॉलेज में इन्हें दिया जाएगा प्रशिक्षण इसे लेकर नेपाली सेना ने एक बयान में कहा कि यह अधिकारी पाकिस्तान सेना के नेशनल सिक्योरिटी एंड वार कॉलेज के हैं। पाकिस्तान के नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी के मातहत रहे यह अधिकारी एयर कोमोडोर साद मंसूर अंसारी के नेतृत्व में नेपाल आए हैं। नेपाली सेना के माउंटेन वारफेयर कॉलेज में इन्हें प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस घटनाक्रम से नेपाल की घोषणा पर सवाल हुए खड़े उल्लेखनीय है कि पहलगाम हमले के बाद नेपाल ने आतंकवाद के मसले पर भारत को अपना पूरा समर्थन देने की घोषणा की है। मगर इस घटनाक्रम से उसकी घोषणा पर सवाल खड़े हुए हैं। नेपाल में लगातार पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन भी हो रहा है। लोग पाकिस्तान के सैन्य अधिकारियों को प्रशिक्षण देने के फैसले से आश्चर्यचकित हैं। नेपाल द्वारा पाकिस्तानी सेना के अधिकारियों को बुलाना रणनीतिक रूप से सही नहीं नेपाली सेना के अवकाश प्राप्त ब्रिगेडियर जनरल विनोज बस्नेत ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच इस तरह के तनाव के बीच नेपाल द्वारा पाकिस्तानी सेना के अधिकारियों को बुलाना रणनीतिक रूप से सही नहीं है।

खालिस्तानियों ने माल्टन गुरुद्वारा में निकाली हिंदू विरोधी परेड, हिंदुओं को निर्वासित करने की मांग

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के एक पत्रकार डेनियल बोर्डमैन ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में खालिस्तानी कट्टरपंथी टोरंटो के एक गुरुद्वारे में हिंदू विरोधी परेड निकालते दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान खालिस्तानियों ने कनाडा से सभी हिंदुओं को निर्वासित करने की मांग भी की। डेनियल बोर्डमैन ने अपने पोस्ट में लिखा कि ये जिहादी हमारी सड़कों पर उत्पात मचा रहे हैं और हमारे सामाजिक ताने-बाने को काफी नुकसान पहुंचा रहे हैं। वे यहूदियों को धमका रहे हैं।

जेलेंस्की बोले- मॉस्को आए विदेशी मेहमानों की सुरक्षा गारंटी नहीं रूस ने कहा- 9 मई को हमला हुआ तो अगले दिन कीव नहीं बचेगा

मॉस्को, एजेंसी। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की का कहना है कि रूस के साथ जारी युद्ध को देखते हुए यूक्रेन 9 मई की विक्ट्री डे परेड में शामिल होने मॉस्को आए किसी भी विदेशी मेहमान की सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं दे सकता है। जेलेंस्की ने कहा- रूस में जो कुछ भी होता है, उसके लिए हम जिम्मेदार नहीं हो सकते। वो आपकी सुरक्षा के लिए जिम्मेदार हैं, हम आपको कोई गारंटी नहीं देंगे। जेलेंस्की के इस बयान पर रूस के पूर्व राष्ट्रपति और सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव ने कहा कि यह बयान एक तहत का उकसावा है। किसी ने भी 9 मई की परेड के लिए यूक्रेन के सुरक्षा गारंटी नहीं मांगी थी। उन्होंने कहा कि अगर यूक्रेन ने 9 मई को विक्ट्री डे परेड के दौरान मॉस्को पर हमला किया तो इस कोई भी इस बात की गारंटी नहीं ले पाएगा कि यूक्रेन की राजधानी कीव 10 मई तक सुरक्षित रह पाएगी। रूस हर साल 9 मई को विक्ट्री डे परेड निकलता है रूस सेकेंड वर्ल्ड वॉर में अपनी जीत के जश्न के तौर पर हर साल 9 मई को विक्ट्री डे परेड सेलिब्रेट करता है। पुतिन ने इस परेड को देखते हुए यूक्रेन के साथ 8 मई लेकर 10 मई तक तीन दिन (72 घंटे) के सीजफायर का ऐलान किया है। इसे लेकर जेलेंस्की का कहना है कि वो रूस के साथ 30 दिन का युद्ध विराम चाहते हैं। हालांकि पुतिन पहले इससे इनकार कर चुके हैं। इस साल इस परेड में शामिल होने के लिए 20 से ज्यादा देशों के मेहमान

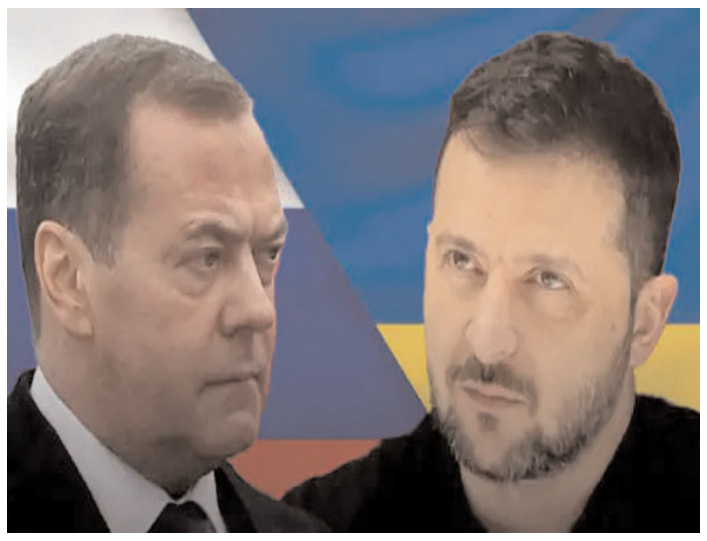

रूस पहुंचेंगे, जिनमें चीन, ब्राजील, वेनेजुएला और सर्बिया के राष्ट्राध्यक्ष शामिल हैं। पुतिन बोले- यूक्रेन के लिए परमाणु हथियारों की जरूरत नहीं पड़ेगी दूसरी तरफ रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का कहना है कि उन्हें उम्मीद है कि यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई में न्यूक्लियर हथियारों की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्होंने कहा- हमने 2022 में जो शुरू किया था, उसे अंजाम तक पहुंचाने के लिए हमारे पास पर्याप्त ताकत है। रूस के सुप्रीम लीडर के तौर पर पुतिन के 25 साल के कार्यकाल पर स्टेट मीडिया ने रूस, क्रेमलिन, पुतिन, 25 साल नाम से एक फिल्म बनाई है। इसमें पुतिन ने कई अलग-अलग मुद्दों पर बात की। 72 साल के पुतिन ने कहा कि वो हमेशा अपने उत्तराधिकारी के बारे में सोचते हैं। पुतिन ने कहा- आखिरकार, चुनाव लोगों के लिए है, रूसी लोगों के लिए। मुझे लगता है कि सिर्फ एक इंसान नहीं बल्कि कई लोग होने चाहिए, ताकि लोगों के पास विकल्प हो। पुतिन रूस की पूर्व खुफिया एजेंसी केजीबी के जासूस रह चुके हैं। उन्होंने 1999 में रूस का राष्ट्रपति पद संभाला था। वो 1999 से 2008 तक रूस के राष्ट्रपति रहे। इसके बाद 2008 से 2012 तक प्रधानमंत्री रहे, और उसके बाद 2012 में फिर से राष्ट्रपति बन गए। रूस ने हाल में कीव पर 70 मिसाइल दागी वॉर फ्रंट की बात करें दोनों देश लगातार दूसरे पर ड्रोन और मिसाइल से हमला कर रहे हैं। 10 दिन पहले रूस ने यूक्रेन पर इस साल का सबसे बड़ा हमला किया था। इस हमले में कम से कम 8 लोग मारे गए थे, जबकि 70 से ज्यादा घायल हो गए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रूस ने यूक्रेन पर 70 मिसाइल और 145 ड्रोन से हमला किया, जिनका मेन टारगेट राजधानी कीव को निशाना बनाना था। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की का कहना है कि इस हमले का मकसद अमेरिका पर दबाव डालना था।

पुर्तगाल में रह रहे 18 हजार विदेशी निकाले जाएंगे, चुनाव से पहले सरकार ने किया ऐलान : लिस्बन, एजेंसी। पुर्तगाल में चोरी-छुपे रह रहे 18 हजार से ज्यादा विदेशी लोगों को सरकार ने निकालने का फैसला किया है। पुर्तगाल में 18 मई को मिड टर्म इलेक्शन होने हैं। इसमें आप्रवासन बड़ा मुद्दा बन चुका है। राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार अंतोनियो लेइतो अमारो ने कहा कि कार्यवाहक सरकार जल्द ही इसके लिए नोटिफिकेशन जारी करेगी। शुरुआत में करीब 4,500 विदेशियों को स्वेच्छा से देश छोड़कर जाने का आदेश दिया जाएगा। पुर्तगाल छोड़ने के लिए उन्हें 20 दिन की मोहलत दी जाएगी। प्रधानमंत्री लुइस मोंटेनेग्रो ने मार्च में जल्द चुनाव कराए जाने की घोषणा की थी। दरअसल, उनकी सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी के नेतृत्व वाली अल्पमत सरकार संसद में विश्वास मत हार गई थी।

हमास पर दबाव बनाने की तैयारी, गाजा में सैन्य अभियान तेज करेगा इस्राइल, कैबिनेट ने दी मंजूरी

तेल अवीव, एजेंसी। युद्ध विराम को लेकर हमास पर दबाव बनाने के लिए इस्राइल ने कड़े कदम उठाने की तैयारी की है।

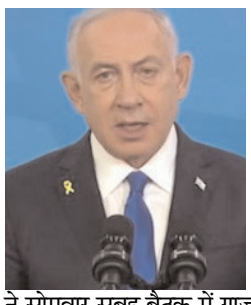

इस्राइल के एक अधिकारी ने बताया कि कैबिनेट मंत्रियों ने गाजा पट्टी में सैन्य अभियान तेज करने की योजना को मंजूरी दे दी है। अधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार के शीर्ष मंत्रियों की एक प्रभावशाली सुरक्षा कैबिनेट ने सोमवार सुबह बैठक में गाजा में अभियान तेज करने पर चर्चा की। अधिकारी ने कहा कि इस योजना के तहत अधिक फलस्तीनी क्षेत्र पर दावा किया जाएगा। इससे पहले रविवार को इस्राइल ने गाजा में सैन्य अभियान के लिए हजारों रिजर्व सैनिकों को बुलाने की घोषणा की थी। इस्राइल का कहना है कि हमास पर युद्धविराम को लेकर बातचीत का दबाव बनाने के लिए यह कदम उठाया गया है। गाजा पर नहीं थम रहे इस्राइल के हमले बता दें कि मार्च में हमास के साथ युद्धविराम खत्म होने के बाद से इस्राइल गाजा पर रोज हमले कर रहा है। गाजा सिटी और बेइत लाहिया में भी दो दर्जन से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, अब तक गाजा में 52,000 से ज्यादा फलस्तीनी मारे जा चुके हैं। इसके अलावा इस्राइल ने मार्च की शुरुआत से ही गाजा में 20 लाख लोगों को भोजन और दवा जैसी जरूरी चीजों की आपूर्ति रोक दी गई है, ताकि हमास पर बंधकों की रिहाई को लेकर दबाव बनाया जा सके। सहायता पर रोक लगने से 2.3 मिलियन लोगों का क्षेत्र युद्ध के सबसे बुरे मानवीय संकट में फंस गया है। भुखमरी व्यापक हो गई है और कमी के कारण लूटपाट शुरू हो गई है। यमन ने इस्राइल के हवाई अड्डे पर किया हमला यमन में ईरान समर्थित विद्रोहियों ने रविवार को रविवार को इस्राइल के मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मिसाइल दागी। इससे हवाई अड्डे पर उड़ानों और यात्री यातायात को कुछ समय के लिए रोकना पड़ा। मिसाइल हवाई अड्डे तक पहुंच मार्ग के पास गिरी, जिससे यात्रियों में दहशत फैल गई

दुबई में बनी अरेबियन गैजेल्स, रफ्तार की दीवानी 30 महिलाओं का पश्चिम एशिया का पहला ऑल-वुमन सुपरकार क्लब

दुबई, एजेंसी। रूढ़िवादिता और पूर्वाग्रह की सीमित सोच के दायरे को तोड़ते हुए महिलाओं के एक समूह ने मध्य पूर्व में पहला ऑल-वुमन सुपरकार क्लब अरेबियन गैजेल्स बना डाला है। इसमें शामिल होकर ये महिलाएं बेधड़क रफ्तार के रोमांच में जिंदगी का आनंद ले रही हैं। संयुक्त अरब अमीरात में कार रैली में हिस्सा लेने के लिए ये महिलाएं सप्ताहांत दुबई में जुटीं। यूएई और विदेशों से आई क्लब की 30 सदस्यों ने बढ़-चढ़ कर चार दिनों की इस सुपरकार रैली में हिस्सा लिया। इनमें कुछ इंजीनियर,कुछ उद्यमी और कुछ गृहिणी हैं, लेकिन इसके इतर इन सबका एक जुनून है जो इन्हें अन्य महिलाओं से अलग कतार में लाकर खड़ा करता है। इस क्लब की शुरुआत आठ साल पहले हनान माजूजी सोबाती ने की थी। उन्हें इस क्षेत्र में महिलाओं की अनदेखी खटक रही थी। फुजैराह की सड़क पर अपनी लेम्बोर्गिनी चलाते हुए वह बताती हैं, मैं अकेली औरत थी जो अपने पति की जगह इन कार रैलियों में जाती थी, क्योंकि पति को कारों का कोई शौक नहीं था। मुझे लगा कि किसी को इसके बारे में कुछ करना चाहिए और अधिक महिलाओं को लाकर बदलाव लाना चाहिए। सुपरकारों के जुनून ने बड़ा करने और बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया। सोबाती कहती हैं, हमें गाड़ी चलाने या कार पसंद करने के लिए किसी की इजाजत की ज़रूरत नहीं है। अगर हमें टेबल पर सीट नहीं दी जाती, तो हम खुद टेबल बना लेते हैं।

चीन के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में तूफान के कारण नौकाएं पलटीं, नौ लोगों की मौत

बीजिंग, एजेंसी। दक्षिण-पश्चिमी चीन के गुइझोउ प्रांत में अचानक आए तेज तूफान के चलते वू नदी में चार पर्यटक नावें पलट गईं, जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति लापता है। चीन के सरकारी मीडिया ने सोमवार को यह जानकारी दी। सरकारी प्रसारक सीसीटीवी के अनुसार, रविवार दोपहर में गुइझोउ के एक दर्शनीय स्थल पर तेज हवाओं के कारण यह हादसा हुआ। इस दौरान 80 से अधिक लोग नौकाओं से नदी में गिर गए। शुरुआती खबरों में दो नावों के पलटने की जानकारी दी गई थी, लेकिन बाद में सीसीटीवी और शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने पुष्टि की कि इस दुर्घटना में कुल चार नावें पलट गईं। यह स्पष्ट नहीं है कि अन्य दो नावों पर भी कोई पीड़ित था या नहीं। वू नदी, चीन की सबसे लंबी नदी यांग्त्जी की सहायक नदी है। गुइझोउ की पहाड़ियां और नदियां देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करती हैं, और फिलहाल वहां पांच दिवसीय राष्ट्रीय अवकाश के चलते भारी संख्या में सैलानी पहुंचे हुए हैं। राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने इस हादसे पर गहरा दुख जताते हुए लापता व्यक्ति की तलाश और घायलों के इलाज में हरसंभव प्रयास का आह्वान किया है। सरकार परिवहन क्षेत्र में मौत के मामलों को कम करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है, लेकिन अधिक भार, रख-रखाव की कमी और सुरक्षा उपायों के अभाव के चलते छुट्टियों के दौरान हादसों में बढ़ोतरी देखी गई है। सीसीटीवी के अनुसार दुर्घटना में शामिल दो नावों में लगभग 40-40 लोग सवार थे। नाव में क्षमता से अधिक लोग सवार नहीं थे। एक चश्मदीद ने सरकारी अखबार 'बीजिंग न्यूज' को बताया कि नदी की गहराई अधिक थी, लेकिन कुछ लोग तैरकर किनारे तक पहुंचने में सफल रहे। उन्होंने कहा कि तूफान अचानक आया और घना कोहरा

फैलने से नदी की सतह दिखाई नहीं दे रही थी। चीन की सबसे लंबी नदी यांग्त्जी की सहायक नदी वू में हादसा चीन की सबसे लंबी नदी यांग्त्जी की एक सहायक नदी वू में अचानक बारिश और ओलावृष्टि के बाद नौकाएं पलट गईं। सरकारी मीडिया की ओर से साझा किए गए एक वीडियो में एक व्यक्ति द्वारा दूसरे व्यक्ति को सीपीआर देते देखा जा सकता है। वीडियो नौकाओं को नदी में उल्टी पड़ी देखा जा सकता है। गुइझोऊ के पहाड़ और नदियां पर्यटन के लिए एक प्रमुख आकर्षण गुइझोऊ के पहाड़ और नदियां पर्यटन के लिए एक प्रमुख आकर्षण हैं। कई चीनी लोग पांच दिवसीय राष्ट्रीय अवकाश के दौरान यहां आए थे। यह अवकाश आज यानी सोमवार को समाप्त हो रहा है। चीनी राष्ट्रपति ने बचाव अभियान युद्ध स्तर पर चलाने को कहा चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने लापता लोगों को खोजने और घायलों की देखभाल के लिए पूरी ताकत से प्रयास करने का आह्वान किया। शी के प्रशासन ने चीन के परिवहन क्षेत्र में ऐसे हादसों को रोकने के लिए कई अभियान चलाए हैं। हालांकि, ओवरलोडिंग, खराब रखरखाव वाले वाहन और सुरक्षा उपकरणों की कमी ने उन अभियानों पर भारी पड़ रहे हैं। दो नावों में से प्रत्येक में लगभग 40 लोग सवार थे सीसीटीवी के मुताबिक, पलटी हुई दो नावों में से प्रत्येक में लगभग 40 लोग सवार थे और वे ओवरलोड नहीं थीं। एक प्रत्यक्षदर्शी ने सरकारी बीजिंग न्यूज को बताया कि पानी गहरा था, लेकिन कुछ लोग तैरकर सुरक्षित निकलने में कामयाब रहे। हालांकि, तूफान अचानक आया और घने कोहरे की वजह से दृश्यता भी काफी कम थी।

संविधान ही हमारी नींव, यही हमें जोड़ता है, माइक पेंस ने नाम लिए बिना ट्रंप पर साधा निशाना

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व उपराष्ट्रपति माइक पेंस ने रविवार को जॉन एफ केनेडी प्रोफाइल इन करेज अवार्ड से सम्मानित होने के बाद कहा कि देश का संविधान ही हमारी नींव है और यही हमें जोड़ता है। माइक पेंस ने साल 2020 के चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप का साथ छोड़कर जो बाइडन को सत्ता हस्तांतरण में अहम भूमिका निभाई थी। इसी के लिए उन्हें सम्मानित किया गया। अवार्ड देने वाली जेएफके लाइब्रेरी फाउंडेशन का कहना है कि माइक पेंस ने अपने जीवन और करियर को खतरे में डालकर अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों को पूरा किया।

पेंस ने संविधान की सराहना की : सम्मानित होने के बाद अपने संबोधन में माइक पेंस ने कहा कि हमारी एक साझा नींव है। मुझे उम्मीद है कि मेरी यहां मौजूदगी इस बात का सबूत है कि हमारे बीच बतौर अमेरिकी नागरिक चाहे कितने भी मतभेद

रहें, लेकिन संविधान एक ऐसी चीज है, जो हमें जोड़ता है। हमें हमारे समय और हमारी पीढ़ियों को एकजुट रखता है। ये हमें वो बनाता है, जो हम हैं। अपने संबोधन में पेंस ने कई बार ट्रंप प्रशासन की नीतियों पर बात की, लेकिन सीधे तौर पर किसी का नाम नहीं लिया। पेंस ने कहा कि ऐसे समय में जब हमारे बीच काफी मतभेद और आशंका पैदा हो गई है, हमें एकजुट रहने की जरूरत है। पेंस ने ट्रंप प्रशासन के यूक्रेन की मदद रोकने के फैसले की भी आलोचना की और कहा कि अमेरिका को यूक्रेन की मदद करनी चाहिए।

एक समय ट्रंप के बेहद करीबी थे माइक पेंस : उल्लेखनीय है कि पिछली ट्रंप सरकार में माइक पेंस उपराष्ट्रपति रहे थे, लेकिन 2020 के चुनाव में जब ट्रंप की हार हुई तो उन्होंने पेंस से स्विंग स्टेट के चुनाव नतीजों को खारिज करने का निर्देश दिया था, लेकिन पेंस ने इससे इनकार कर दिया था। ट्रंप चाहते थे कि पेंस उनका साथ दें और अपना पद न छोड़ें, लेकिन पेंस ने पद छोड़ा और बाइडन को सत्ता हस्तांतरण में अहम भूमिका निभाई। पेंस का कहना है कि भगवान के आशीर्वाद से उन्होंने अपनी जिम्मेदारियों को निभाया और उसके चलते शांतिपूर्ण तरीके से सत्ता हस्तांतरण हो सका। पेंस ने कहा कि 6 जनवरी एक दुखद दिन था, लेकिन यह आजादी की जीत का दिन बन गया। इतिहास में ये दिन दर्ज किया जाएगा, जिससे हमारी संस्थाएं कायम रहीं।

चीन में इवेंट के दौरान रोबोट को आया गुस्सा, लोगों पर बरसाने लगा लात-घूंसे, दो कर्मचारी बुरी तरह घायल

बीजिंग, एजेंसी। इन दिनों सोशल मीडिया पर एक चीनी फैक्ट्री का चौंकाने वाला वीडियो वायरल हो रहा है, इस वीडियो में एक औद्योगिक रोबोट को अचानक हिंसक होते देखा जा सकता है। बताया जा रहा है कि यह घटना तकनीकी गड़बड़ी यानी कोडिंग त्रुटि के कारण हुई, जिसके कारण दो कर्मचारी बुरी तरह घायल हो गए। वीडियो में साफ तौर पर देखा जा रहा है कि फैक्ट्री में काम कर रहा रोबोट अचानक से नियंत्रण से बाहर हो गया और आस-पास मौजूद मजदूरों पर हमला करना शुरू कर दिया। जैसे ही यह घटना घटी, मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई और कई लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते नजर आए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह दुर्घटना यूनिटरी रोबोटिक्स द्वारा बनाए गए एच1 नामक रोबोट के साथ हुई, जिसकी कीमत करीब 6.5 लाख युआन बताई जा रही है। यह एक मानव सदृश रोबोट है, जिसे मनुष्यों की तरह व्यवहार करने के लिए डिज़ाइन किया गया है ताकि यह आसानी से उनके साथ काम कर सके। लेकिन इस बार इसकी प्रोग्रामिंग में एक छोटी सी त्रुटि ने एक बड़ी घटना को जन्म दे दिया। फैक्ट्री प्रबंधन ने बताया कि घायल श्रमिकों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। इसके अलावा सुरक्षा मानकों की समीक्षा की जा रही है और रोबोट की प्रोग्रामिंग की जांच की जा रही है। यह ध्यान देने योग्य बात है कि यह पहली बार नहीं है कि कोई रोबोट नियंत्रण से बाहर हो गया हो।

कुछ महीने पहले, एक तकनीकी महोत्सव के दौरान एक रोबोट अचानक दर्शकों की ओर बढ़ गया, जिससे वहां उपस्थित लोगों में दहशत फैल गई। ऐसी घटनाएं हमें यह सोचने पर मजबूर करती हैं कि क्या हम टेक्नोलॉजी पर जरूरत से ज्यादा निर्भर हो रहे हैं। जैसे ही वीडियो इंटरनेट पर आया, लोगों की प्रतिक्रियाएं आने लगीं। कुछ यूजर्स ने चिंता जताई कि मशीनों पर पूरी तरह निर्भर रहना इंसानों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। वहीं, कुछ लोगों ने यह भी कहा कि जब तक रोबोट की प्रोग्रामिंग में मानवीय भूल की संभावना रहेगी, तब तक इस तकनीक से पूरी तरह सुरक्षित महसूस करना मुश्किल है। घटना के बाद, फैक्ट्री ने अपने सुरक्षा उपायों को कड़ा कर दिया है और रोबोटिक इकाइयों का पुनः निरीक्षण किया है। विशेषज्ञों का कहना है कि जैसे-जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोटिक्स उन्नत होते जा रहे हैं, वैसे-वैसे इनके उपयोग में सावधानी बरतने की आवश्यकता भी बढ़ती जा रही है।

बीएलए ने क्वेटा-कराची हाईवे को किया बंद, कई सरकारी भवनों में लगाई आग

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान के बलूच प्रांत में बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के फतेह स्क्वॉड ने क्वेटा-कराची हाईवे को बंद कर दिया और वाहनों को रोककर तलाशी ली। इनमें यात्री वाहनें भी शामिल थी। बीएलए के सदस्यों ने कलात के मोंगोचार बाजार में घुसकर कई सरकारी भवनों में तोड़फोड़ की और उसे आग के हवाले कर दिया। इनमें नेशनल डाटाबेस एंड रजिस्ट्रेशन अथॉरिटी, न्यायिक परिसर और नेशनल बैंक ऑफ पाकिस्तान जैसी इमारतें शामिल थी। सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, इन दफ्तरों को भारी नुकसान हुआ है। हमलावर इलाके से सुरक्षा बलों के पहुंचने से पहले फरार हो गए। इस हमले की जिम्मेदारी बीएलए के फतेह स्क्वॉड ने ली है, जिन्होंने इसे स्वतंत्रता के संघर्ष के तहत अपनी कार्रवाई बताया। सुरक्षा अधिकारियों ने इलाके में ऑपरेशन शुरू किया और नेशनल हाईवे (एन-25) पर यातायात को बहाल कर दिया गया। इसी दौरान, मोंगोचार क्षेत्र में बीएलए आतंकियों ने एक पुलिस वाहन पर भी हमला किया, जिसमें जेल से कैदियों को क्वेटा लाया जा रहा था। आतंकियों ने कम से कम 10 कैदियों को छुड़ाया और पांच पुलिसकर्मियों को बंधक बना लिया। बताया गया कि यह पुलिस वाहन गदानी जेल से कैदियों को क्वेटा और माच के केंद्रीय जेल में भेजने के लिए लाया जा रहा था। जब यह वाहन मोंगोचार इलाके में पहुंचा, तो आतंकियों ने हाईवे को ब्लॉक कर दिया और वाहन की तलाशी ली। इस दौरान वे पुलिस वाहन से कैदियों को छुड़ा ले गए और पांच पुलिसकर्मियों को पकड़कर

उनके हथियार भी साथ ले गए। पुलिस अधिकारियों ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि दो पुलिसकर्मी जो सादे कपड़ों में थे, वे सुरक्षित रहे। राजनीतिक विश्लेषक कमरान यूसुफ ने कहा कि जिस तरह से आतंकियों ने हाईवे को ब्लॉक किया, वाहनों की तलाशी ली और सरकारी भवनों को आग के हवाले किया, यह संकेत देता है कि उनका उद्देश्य जेल से कैदियों को छुड़ाना था। उन्होंने कहा, आतंकी जानते थे कि कैदी कहीं न कहीं पुलिस वाहनों में होंगे और इसी रणनीति के तहत उन्होंने यह हमले किए। उन्होंने यह भी कहा कि यह घटना बलूचिस्तान में सुरक्षा स्थिति को लेकर चिंताएं पैदा करती है और यह दिखाती है कि बीएलए जैसे समूहों के समर्थन नेटवर्क सुरक्षा बलों के लिए एक गंभीर चुनौती बने हुए हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

SMC में सिक्योरिटी कॉन्ट्रैक्ट पाने के लिए भ्रष्टाचार

43 करोड़ का टेंडर प्राप्त करने के लिए फर्जी दस्तावेज़, तीन एजेंसियों के खिलाफ शिकायत दर्ज करने की संभावना

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत महानगर पालिका में सुरक्षा एजेंसी का काम बहुत बड़े पैमाने पर दिया जाता है। हर बार सुरक्षा कॉन्ट्रैक्ट में बड़े भ्रष्टाचार का आरोप लगता रहता है। इस बार पालिका का कॉन्ट्रैक्ट प्राप्त करने के लिए तीन एजेंसियों ने फर्जी प्रमाण पेश किए होने का खुलासा हुआ है। करोड़ों रुपये का टेंडर प्राप्त करने के लिए फर्जी दस्तावेज़ पेश किए गए

सूरत पालिका में सुरक्षा के लिए वार्षिक 42 करोड़ का टेंडर जारी किया गया है। इसमें पालिका का कॉन्ट्रैक्ट प्राप्त करने के लिए तीन एजेंसियों ने फर्जी प्रमाण प्रस्तुत किए हैं। पालिका ने सुरक्षा के कॉन्ट्रैक्ट के लिए टेंडर जारी किए थे, जिसमें 23 एजेंसियों के टेंडर आए थे, जिनमें से 9 एजेंसियां योग्य पाई गई थीं। योग्य पाई गई 9 में से 3 एजेंसियों ने फर्जी दस्तावेज़ों के आधार पर श्रम विभाग के लाइसेंस को नवीनीकरण किया था। इसमें म.के. सिक्योरिटी, शक्ति सिक्योरिटी और शक्ति प्रोटेक्शन फोर्स प्रा.लि. के खिलाफ फर्जी दस्तावेज़ों के आधार पर लाइसेंस प्राप्त करने के प्रमाण के साथ शिकायत दर्ज की गई है।

एजेंसियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी टेंडर में जो प्रकार के दस्तावेज़ प्रस्तुत किए गए थे, उनमें संदेह होने पर पूरा मामला सामने आया था। इस शिकायत के बाद सुरक्षा की दरखास्त रुक गई थी। हालांकि, अब कुछ कानूनी जटिलताओं को सुलझाकर योग्य एजेंसियों की दरखास्त अगले दिनों स्थायी समिति के समक्ष पेश की जाएगी। हालांकि, इस दरखास्त को पेश करते हुए सूरत पालिका और श्रम विभाग के साथ धोखाधड़ी करने और फर्जी प्रमाण पेश करने वाली तीन एजेंसियों के खिलाफ पुलिस शिकायत दर्ज कराने का भी प्रस्ताव होने की संभावना बढ़ गई है। चर्चा है कि इन तीन एजेंसियों द्वारा फर्जी दस्तावेज़ पेश करने के पीछे भाजपा के कुछ निगमकर्मियों का समर्थन है। भाजपा नेताओं के इशारे पर इन एजेंसियों ने टेंडर भरा था, ऐसी चर्चा हो रही है। फर्जी दस्तावेज़ पेश करने वालों के खिलाफ अब क्या कदम उठाए जाएंगे, इसे लेकर सभी की नजरें लगी हुई हैं।

पुलिसकर्मी के बेटे का आत्महत्या

सुसाइड नोट में लिखा– 'शादी के बाद पत्नी को कैसे घुमाने ले जाऊं?'

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात के सूरत से चौंकाने वाली घटना सामने आई है। अश्वदल में तैनात पुलिसकर्मी के बेटे ने रविवार शाम को आत्महत्या कर ली है। पुलिसकर्मी के बेटे ने सुसाइड नोट लिखा और गले में फांसी का फंदा डालकर अपनी जान दे दी।

घटना के बारे में मिली जानकारी के अनुसार, सूरत में पुलिसकर्मी के 23 वर्षीय बेटे चिंतवकुमार ने गले में फांसी का फंदा डालकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस जांच के दौरान आत्महत्या करने से पहले लिखी गई सुसाइड नोट मिली है। इस सुसाइड नोट में युवक ने लिखा था, घर वाले मुझसे बहुत उम्मीद रखते हैं, लेकिन मैं उनके सपने पूरे नहीं कर सकता। मुझे गाड़ी चलानी भी नहीं आती, अगर शादी हो गई तो पत्नी को कहां घुमा लाऊंगा? अब शादी के पैसे बच जाएं तो बहन की शादी धूमधाम से कर देना।

पुलिस ने जांच शुरू की चिंतवकुमार एमटीबी आर्ट्स कॉलेज में तीसरे वर्ष का छात्र था। सुसाइड नोट से पुलिस ने यह निष्कर्ष निकाला है कि बाइक चलाने में असमर्थता के कारण उसने आत्महत्या की हो सकती है। हालांकि, पुलिस इस मामले में आत्महत्या के अन्य कारणों की जांच कर रही है। फिलहाल, पुलिस ने सुसाइड नोट को जब्त कर उसे फोरेंसिक रिपोर्ट के लिए भेज दिया है और युवक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद इस मामले में कोई नई जानकारी सामने आ सकती है।

रात को आए तूफान से बड़ा नुकसान

शहर के विभिन्न जगहों पर पेड़ गिर गए, छप्पर और सोलर पैनल हवा में उड़ गए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में कल मौसम में आए बदलाव के बाद मदी रात को तेज हवा के साथ बारिश हुई थी। जिसके कारण कई जगहों पर पेड़ गिरने के मामले सामने आए थे। वहीं कुछ स्थानों पर छप्पर और सोलर पैनल भी उड़ गए थे।

सूरत के हनीपार्क क्षेत्र में अभिनव सोसाइटी की बिल्डिंग पर लगाए गए सोलर पैनल तेज हवा के कारण काफी दूर तक उड़ गए थे।

मुक्तानंद सोसाइटी में भी ऊपर की छत पर लगे सोलर पैनल के एंगल उड़कर सीधे पानी की टंकी के आर-पार निकल गए थे। इतना ही नहीं, जिन पैनलों को नीचे पार्क की गई गाड़ियों पर गिरने से फोरव्हील्स को भी नुकसान हुआ था।

तेज हवा के कारण उड़कर आने वाले सोलर पैनल खतरनाक साबित हुए हैं।

कल मौसम में बदलाव के बाद मदी शाम को तेज हवा चली थी। इसके अलावा कुछ क्षेत्रों में बारिश भी हुई थी।

तेज हवा के कारण वेडरोड, रांदेर, अडाजण, डिंडोली सहित क्षेत्रों में पेड़ गिर गए थे।

कुछ जगहों पर खतरनाक छप्परों को लेकर भी फायर विभाग को कॉल आए थे। चार विभाग की टीम द्वारा पेड़ों को हटाने और खतरनाक छप्परों को हटाने की कार्रवाई की गई थी।

जुबेर खान और आरूश पठान को वॉन्टेड घोषित किया गया

एमडी ड्रग्स के साथ पकड़ा गया आरोपी टॉयलेट की खिड़की से कूदकर फरार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में ड्रग्स के खिलाफ चल रहे अभियान के दौरान क्राइम ब्रांच की टीम को चार रास्ता इलाके में कोई व्यक्ति एमडी ड्रग्स लेकर आ रहा है, ऐसी सूचना मिली थी। इस सूचना के आधार पर शहर के किंनरी चार रास्ता क्षेत्र में रात को जुबेर खान नामक युवक को 1.75 लाख रुपये मूल्य के एमडी ड्रग्स के साथ पकड़ा गया था। लेकिन पकड़े जाने के बाद आरोपी को पूछताछ के लिए पुलिस ट्रैफिक कार्यालय लेकर गई थी, जहां से वह टॉयलेट की खिड़की से कूदकर फरार हो गया।

क्राइम ब्रांच से मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस को सूचना मिली थी कि जुबेर खान फिरोज खान पठान (उमरवाड़ा, सलाबतपुरा, सूरत) नामक व्यक्ति रात 11 बजे के बाद किंनरी चार रास्ता इलाके में एमडी ड्रग्स की बड़ी डिलीवरी देने आने वाला है। मिली सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच की टीम ने सार्वजनिक शौचालय के पास निगरानी रखी थी। देर रात सूचना के अनुसार जुबेर वहां पहुंचा, तो पुलिस ने उसे घेरकर पकड़ लिया। आसपास अंधेरा होने के कारण टीम उसे आगे की पूछताछ के लिए पास के ट्रैफिक सर्कल-5, रीजन-2 कार्यालय में ले गई थी।

अंधेरे का फायदा उठाकर आरोपी टॉयलेट की खिड़की से कूदकर फरार वहां आरोपी जुबेर खान की तलाशी लेते समय पुलिस ने उसके पास से 17.590 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद किया, जिसकी बाजार कीमत लगभग 1.75 लाख रुपये है। प्रारंभिक पूछताछ में जुबेर ने स्वीकार किया कि वह यह ड्रग्स अपने क्षेत्र में रहने वाले आरूश अयूब खान पठान से बेचने के लिए लाया था। इसी दौरान, जब पुलिस पंचनामा की कार्रवाई कर रही थी, तब जुबेर ने प्राकृतिक आवश्यकता के बहाने टॉयलेट जाने की इजाजत मांगी। ट्रैफिक चौकी में मौजूद टॉयलेट का आधा दरवाजा खुला रखकर पुलिस ने उसे जाने दिया। लेकिन आरोपी ने अंधेरे का फायदा उठाकर टॉयलेट की खिड़की से कूदकर फरार हो गया।

आरोपियों के खिलाफ दो अलग-अलग मामले दर्ज, आगे की जांच शुरू जब कुछ समय तक जुबेर बाहर नहीं आया, तो पुलिस ने जांच की और यह पाया कि आरोपी फरार हो गया है, जिससे दौड़-धूप मच गई। आसपास मेट्रो का काम चल रहा था, जिससे कई जगहों पर अंधेरा था, और इस कारण पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की, फिर भी जुबेर पुलिस के हाथ नहीं लगा। इस घटना की गंभीरता को देखते हुए क्राइम ब्रांच ने जुबेर खान और उसे ड्रग्स सप्लाई करने वाले आरूश पठान के खिलाफ दो अलग-अलग मामले दर्ज कर जांच शुरू की है। दोनों को वॉन्टेड घोषित कर पूरे शहर में कड़ी तलाश की जा रही है।

कीचड़ में BRTS बस फंसी

सूरत में नगर निगम द्वारा खोदी गई मिट्टी न हटाए जाने के कारण बस फंसी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर निगम द्वारा विभिन्न स्थानों पर काम शुरू किया गया है, खासकर सड़कों की खुदाई की जा रही है, जबकि मेट्रो के कारण भी समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं। सुबह से ही बारिश हो रही है, जिसके कारण सूरत शहर के कई इलाकों में जहां सूरत नगर निगम ने काम शुरू किया है, वहां वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

यात्रियों की परेशानियाँ बढ़ी

सूरत के हर क्षेत्र में बारिश के कारण सड़कों पर पानी भर गया था। खासकर उन सड़कों पर जहाँ निगम द्वारा मरम्मत का काम या ड्रेनेज लाइनों की खुदाई की गई थी, वहां वाहन चालकों को और अधिक मुश्किलों का सामना करना पड़ा। भट्टा रोड क्षेत्र में निगम द्वारा खोदी गई खाई के आसपास की मिट्टी बारिश के कारण धस गई थी। जब कीचड़ में BRTS बस फंस गई, तो बस शुरू नहीं हो पाई। आखिरकार BRTS बस में सवार सभी यात्रियों को बस से उतरकर दूसरी बस में सवार होना पड़ा।

केवल असमय बारिश में सूरत के विभिन्न इलाकों में कीचड़ देखा जा रहा है। जहां खुदाई का काम किया जाता है, वहां निगम द्वारा जल्दी से मिट्टी हटाई नहीं जाती। काम समाप्त होने के दस-पंद्रह दिन तक मिट्टी के ढेर देखे जाते हैं।

"दक्षिण गुजरात में गरज के साथ बारिश"

सूरत में दोपहर के बाद मौसम में बदलाव आने से बारिश हुई, धान-तिल सहित गर्मी की फसलों को नुकसान की आशंका

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

दक्षिण गुजरात में मौसम विभाग की की गई भविष्यवाणी के अनुसार ही मौसम में बदलाव आया है। दोपहर बाद लगातार तेज हवाएं चलती रहीं और धूल के गुबार उड़ते रहे। अचानक शाम को हल्की-फुल्की बारिश शुरू हो गई। इसका असर पूरे दक्षिण गुजरात में देखने को मिला। कुछ इलाकों में गरज-चमक के साथ भी बारिश हुई। सूरत में देर शाम बारिश शुरू हो गई थी। मौसम विभाग की भविष्यवाणी के अनुसार शहरभर में बारिश हुई। शुरुआत अडाजन, चौक, अठवालाइंस क्षेत्रों से हुई, जिसके बाद पीपलोद, वेसु, लिम्बायत, उधना सहित अन्य इलाकों में भी बारिश शुरू हो गई। पिछले दो-तीन दिनों से शहरवासी तेज गर्मी और उमस का सामना कर रहे थे। बिखरी हुई बारिश के चलते सूरतवासियों को गर्मी से राहत मिली।

पूरे दक्षिण गुजरात में बेमौसम बारिश के कारण किसान चिंता में दिखाई दे रहे हैं। दक्षिण गुजरात की प्रमुख फसलों में से एक धान की फसल है, और अधिकांश खेतों में खड़ी धान की कटाई शुरू हो चुकी थी। लेकिन बारिश के कारण धान की फसल को नुकसान पहुंचा है। साथ ही तेज हवाओं के कारण धान की फसल जमीन पर गिर गई है। इसके अलावा दक्षिण गुजरात में आम की फसल को भी नुकसान होगा। तिल और सब्जियों की फसल को भी बारिश के कारण नुकसान होगा। दक्षिण गुजरात में बारिश शुरू होते ही ट्रेन संचालन भी प्रभावित हुआ है। कई ट्रेनें अपने निर्धारित समय से देरी से चलती नजर आईं, जिससे सूरत रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ देखने को मिली। बारिश का माहौल होने के कारण जनजीवन पर इसका असर अभी भी देखने को मिल सकता है।

आनंद निकेतन स्कूल को DEO का नोटिस

RTE के छात्रों से फूड और ट्रांसपोर्टेशन के 69 हजार रुपये मांगे की शिकायत मिलने,स्पष्टीकरण मांगा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

RTE के तहत एडमिशन के पहले राउंड में एडमिशन आवंटित किए गए थे, तब मणिनगर की आनंद निकेतन स्कूल द्वारा नए आवंटित एडमिशन में माता-पिता से स्कूल द्वारा अनिवार्य फूड और ट्रांसपोर्टेशन के लिए 69 हजार रुपये मांगे गए थे। इस पर माता-पिता ने शिकायत की, जिसके बाद DEO ने स्कूल को नोटिस जारी किया और 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण मांगा है।

मणिनगर में स्थित आनंद निकेतन स्कूल में कक्षा 1 में RTE के तहत नए छात्रों को प्रवेश दिया गया था। छात्रों को प्रवेश मिलने के बाद, उनके माता-पिता से स्कूल द्वारा ट्रांसपोर्टेशन और फूड के लिए 69 हजार रुपये मांगे गए थे। माता-पिता से कहा गया था कि अगर यह राशि भर दी जाती है तो ही एडमिशन कंफर्म होगा। इस पर माता-पिता ने DEO को शिकायत की थी।

DEO रोहित चौधरी ने कहा कि स्कूल द्वारा किसी भी माता-पिता से फूड या ट्रांसपोर्टेशन के अनिवार्य पैसे नहीं लिए जा सकते हैं।

हमें आनंद निकेतन स्कूल के खिलाफ शिकायत मिली, जिसके बाद स्कूल को नोटिस जारी कर 1 दिन में स्पष्टीकरण देने को कहा गया है।

स्कूल के स्पष्टीकरण के बाद, स्कूल के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सूरत के अठवागेट क्षेत्र स्थित मिशन अस्पताल में आग लगने की घटना

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के अठवागेट क्षेत्र स्थित मिशन अस्पताल में आग लगने की घटना सामने आई है। आग अस्पताल के ग्राउंड फ्लोर पर स्थित इंटेन्सिव केयर यूनिट (IC) में लगी थी, हालांकि उस समय वॉर्ड खाली था और वहां कोई मरीज मौजूद नहीं था। सूरत म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन (SMC) के मेजुरा फायर स्टेशन के अधिकारियों के अनुसार, आग शॉर्ट सर्किट के कारण विंडो एयर कंडीशनर में लगी थी। धुएं के बढ़ने के कारण मरीजों को बाहर निकाला गया और स्ट्रेचर पर उन्हें नीचे लाया गया।

आग लगने के बाद धुंआ पूरे ग्राउंड फ्लोर और आसपास के कमरों में फैल गया था, जिसके कारण फायर विभाग ने तात्कालिक रूप से दरवाजे और खिड़कियां खोलकर धुंआ बाहर निकाला। घटना स्थल पर 10 से अधिक फायर फाइटर टीमें पहुंची थीं और ऑक्सीजन मास्क पहनकर आग बुझाने का कार्य शुरू किया था।

पहले भी सुरत में फायर सेफ्टी नॉर्म्स का पालन न करने वाले अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। अस्पतालों में आग लगने की घटनाओं को ध्यान में रखते हुए, सुरत महानगरपालिका द्वारा शहर के अस्पतालों में फायर सेफ्टी नॉर्म्स का पालन सुनिश्चित करने के लिए कार्रवाई की जा रही है।

"वाद विवाद" डिबेट कार्यक्रम का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल विकास ट्रस्ट युवा शाखा द्वारा सिटी लाइट स्थित महाराजा अग्रसेन पैलेस में डिबेट कार्यक्रम "वाद विवाद" का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 35 प्रतिभागियों में हिस्सा किया। ऑडिशन राउंड के बाद 10 प्रतिभागियों का चयन फाइनल राउंड के लिए किया गया।

कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने दिए गए विषय पर वाद-विवाद किया और अपनी तर्कशक्ति एवं वक्तृत्व कौशल का प्रदर्शन किया।

विजेता को ट्रस्ट द्वारा पुरस्कार देकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर युवा शाखा के अनेकों सदस्य उपस्थित रहें।